राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण मंगलवार,23 जुन2020 वर्ष–2, अंक –110 पृष्ठ–04 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुप्रीम कोर्ट ने आज भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकालने की इजाजत दी

भुवनेश्वर।

जगन्नाथ पुरी में कल रथयात्रा निकलेगी। सुप्रीम कोर्ट ने यात्रा की इजाजत दे दी है, श्रद्धालु शामिल नहीं हो पाएंगे। कोर्ट ने कहा है कि मंदिर कमेटी, राज्य सरकार और केंद्र सरकार के को-ऑर्डिनेशन में यात्रा निकालें, लेकिन लोगों की सेहत से समझौता नहीं होना चाहिए। अगर हालात बेकाबू होते दिखें तो ओडिशा सरकार यात्रा को रोक सकती है। साथ ही कहा कि पुरी के अलावा ओडिशा में कहीं और यात्रा नहीं निकाली जाएगी । मुख्यमंत्री नवीन पटनायक यात्रा की तैयारियों को लेकर मीटिंग की। ओडिशा सरकार ने पुरी में आज रात 9 बजे से बुधवार दोपहर दो बजे तक कम्पलीट लॉकडाउन लगाने का फैसला किया है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 18 जून को यात्रा पर रोक के आदेश दिए थे। इस पर केंद्र सरकार ने रिव्यू पिटीशन दायर कर कहा था कि श्रद्धालुओं को शामिल किए बिना यात्रा निकाली जा सकती है। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि रथयात्रा करोड़ों लोगों की आस्था का मामला है। भगवान जगन्नाथ कल बाहर नहीं आ पाए तो फिर 12 साल तक नहीं निकल पाएंगे, क्योंकि रथयात्रा की यही परंपरा है। सॉलिसिटर जनरल ने कहा था कि एक दिन का कर्फ्यू लगाकर यात्रा निकाली जा सकती है। ओडिशा सरकार ने भी इसका समर्थन किया था कि कुछ शर्तों के साथ आयोजन हो सकता है। इस मामले में सरकार की याचिका से पहले भी 6 रिव्यू पिटीशन लग चुकी थीं। स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने सुप्रीम कोर्ट से अपील की थी कि इस मामले में दोबारा विचार करें। उन्होंने पुरी मठ से जारी बयान में कहा- 'किसी की यह भावना हो सकती है कि अगर इस संकट में रथयात्रा की परमिशन दी जाए तो भगवान जगन्नाथ कभी माफ नहीं करेंगे, लेकिन सदियों पुरानी परंपरा तोड़ी तो क्या भगवान माफ कर देंगे।' सुप्रीम कोर्ट ने 18 जून को रथयात्रा पर रोक के फैसले में कहा था कि कोरोना महामारी के समय यात्रा की परमिशन दी तो भगवान जगन्नाथ हमें कभी माफ नहीं करेंगे। कोर्ट ने कहा था कि जब महामारी फैली हो, तो ऐसी यात्रा की इजाजत नहीं दी जा सकती, जिसमें भारी भीड़ आती हो। लोगों की सेहत और उनकी हिफाजत के लिए इस साल यात्रा नहीं होनी चाहिए। चीफ जस्टिस की बेंच ने ओडिशा सरकार से कहा कि इस साल राज्य में कहीं भी रथ यात्रा से जुड़े जुलूस या कार्यक्रमों की इजाजत न दी जाए। पिछली बार मुगलों के दौर में 285 साल पहले यह यात्रा रोकी गई थी। इस बार रथयात्रा पर असमंजस कोरोना महामारी की वजह से बना। इसके चलते ही मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। जगन्नाथ रथयात्रा आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से शुरू होती है। यह मुख्य मंदिर से शुरू होकर 2.5 किलोमीटर दूर स्थित गुंडिचा मंदिर में जाती है। यह भगवान जगन्नाथ की मौसी का घर माना जाता है। जहां भगवान 7 दिन तक आराम करते हैं और आषाढ़ शुक्ल दशमी को रथयात्रा फिर जगन्नाथ के मुख्य मंदिर पहुंचती है। यह बहुड़ा यात्रा कहलाती है। स्कंदपुराण में लिखा है कि आषाढ़ मास में पुरी तीर्थ में स्नान करने से सभी तीर्थों के दर्शन का फल मिलता है और भक्तों को शिवलोक की प्राप्ति होती है। रथयात्रा से 15 दिन पहले ज्येष्ठ पूर्णिमा पर भगवान को स्नान कराया जाता है। रथयात्रा से 15 दिन पहले ज्येष्ठ पूर्णिमा पर भगवान को स्नान कराया जाता है। रथयात्रा से 15 दिन पहले ज्येष्ठ पूर्णिमा पर भगवान को स्नान कराया जाता है। इसके बाद भगवान जगन्नाथ बीमार होते हैं। इस वजह से उन्हें 15 दिन तक एकांतवास में रखा जाता है। इस दौरान कुछ पुजारी ही उनके पास होते हैं। उन्हें औषधियों और हल्के आहार का ही भोग लगाया जाता है। रथयात्रा से एक दिन पहले ही भगवान का एकांतवास खत्म होता है। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए विशेष दिन है। रथयात्रा निकालने की इजाजत देने पर पूरा देश सुप्रीम कोर्ट के फैसले से खुश है। पीएम मोदी ने भक्तों की भावनाओं को समझा। उन्होंने कहा, आज शाम मैनें पुरी के राजा गजपति महाराज जी और शंकराचार्य जी से बात की और यात्रा को लेकर उनके विचार जानें। आज सुबह मैनें सॉलिसिटर जनरल से भी बात की। मामले की महत्व को देखते हुए हमने इसे सुप्रीम कोर्ट की अवकाश पीठ के सामने रखा और आज दोपहर को सुनवाई हुई।

भारत, चीन से दो युद्ध लड़ रहा है, एक सीमा पर और दूसरा कोरोना वायरस से : केजरीवाल

नई दिल्ली।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि देश चीन से दो युद्ध लड़ रहा है, एक सीमा पर चीन के खिलाफ और दूसरा उसके द्वारा फैलाए गए कोरोना वायरस से। उन्होंने कहा कि इन दोनों युद्धों से लड़ाई में किसी को भी राजनीति नहीं करनी चाहिए। केजरीवाल की यह टिप्पणी पूर्वी लद्दाख की स्थिति को लेकर कांग्रेस द्वारा केंद्र की आलोचना किए जाने के बाद आई है। मीडिया को ऑनलाइन संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा, '' हमारे 20 वीर सैनिक पीछे नहीं हटे, हम भी पीछे नहीं हटेंगे और चीन के खिलाफ दोनों युद्ध जीतेंगे। उल्लेखनीय है कि पूर्वी लद्दाख के गलवान घाटी में 15 जून को चीनी सैनिकों के साथ झड़प में कर्नल रैंक के अधिकारी सहित 20 जवान शहीद हो गए थे। केजरीवाल ने कहा, '' आज देश, चीन के खिलाफ दो युद्ध लड़ रहा है, एक वायरस के खिलाफ जो चीन से आया है और दूसरा सीमा पर। उन्होंने कहा कि एक ओर देश के सभी डॉक्टर और नर्स कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं और दूसरी ओर सीमा पर सैनिक लड़ रहे हैं। आम आदमी पार्टी(आप) के प्रमुख ने कहा, '' पूरा देश डॉक्टरों और सैनिकों के साथ खड़ा है। हम सभी इन दोनों युद्धों को साथ लड़ेंगे और इसपर कोई राजनीति या गुटबाजी नहीं होनी चाहिए। इससे पहले वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने शब्दों के असर के प्रति सतर्क होना चाहिए और चीन को इन शब्दों का प्रयोग अपने पक्ष को न्यायोचित ठहराने में करने का मौका नहीं देना चाहिए।

गुजरात में एनसीपी को झटका, शंकर सिंह बाघेला ने छोड़ी पार्टी

अहमदाबाद। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शंकर सिंह वाघेला ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी की सक्रिय सदस्यता भी छोड़ दी है। वाघेला गुजरात में एनसीपी अध्यक्ष के पद पर जयंत पटेल उर्फ बोस्की की नियुक्ति के बाद से ही पार्टी नेतृत्व से नाराज चल रहे थे। माना जा रहा है कि यह इस्तीफा उसी नाराजगी का परिणाम है। इससे पहले उनके ट्विटर बायो में एनसीपी राष्ट्रीय महासचिव और गुजरात प्रदेश के एनसीपी अध्यक्ष भी लगा था। लेकिन अब उन्होंने गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री के रूप में अपना ट्विटर बायो अपडेट कर दिया है। बता दें कि गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह बाघेला राष्ट्रवादी पिछले साल लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़ एनसीपी का दामन थामा था। पार्टी में शामिल होते ही उन्हें एनसीपी का राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया था और गुजरात एनसीपी का अध्यक्ष भी नियुक्त किया गया था। गौरतलब है कि वाघेला को 2017 में राज्यसभा चुनाव के दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता अहमद पटेल को हराने के लिए विधायकों को दल-बदल कराने के प्रयास के कारण कांग्रेस से निष्कासित कर दिया गया था। एक समय में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सक्रिय सदस्य वाघेला 1969 में जनसंघ में शामिल हुए थे जो बाद में अन्य दलों के साथ मिलकर जनता पार्टी बन गई थी और फिर इसमें से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) बन गई। वाघेला (78) एक जाने माने क्षत्रिय नेता हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के साथ अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की थी।

लेकिन 1995 में गुजरात में बीजेपी के सत्ता में आने और उनके बजाय केशुभाई पटेल को मुख्यमंत्री बनाने के बीजेपी के फैसले के बाद वह पार्टी से अलग हो गए।

कठुआ शहर के लोग पीने के पानी की मांग को लेकर फिर उतरे सड़कों पर

कठुआ ।

शहर के वार्ड नं.-14 न्यू बस स्टैंड से सटे मोहल्ले में पेयजल समस्या से परेशान लोगों ने जलशक्ति विभाग से समाधान की गुहार लगाई है। इसी को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल विभागीय अधिकारियों से मुलाकात करने के लिए कार्यालय पहुंचा। स्थानीय निवासी अजय कुमार ने कहा कि पिछले कुछ माह से पेयजल समस्या से लोग परेशान हैं। गर्मी के इस मौसम में पर्याप्त आपूर्ति न होने के कारण समस्याएं बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि दो इंच की पाइप लाइन मोहल्ले में आपूर्ति करती है जबकि मोहल्ले में अब घर काफी ज्यादा हो गए हैं जिसके चलते आपूर्ति पर्याप्त नहीं है।वे लोग ट्यूबवेल से या फिर पैसा खर्च कर पानी का टैंक मंगवाकर गुजारा करने को मजबूर हो गए हैं। वे लोग ट्यूबवेल से या फिर पैसा खर्च कर पानी का टैंक मंगवाकर गुजारा करने को मजबूर हो गए हैं। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि गर्मी के मौसम एवं वहां घरों की संख्या को देखते हुए उचित पाइप लाइन बिछाने के साथ साथ पेयजल आपूर्ति पर्याप्त तरीके से की जाए ताकि लोगों की समस्या का समाधान हो सके।

हमारे सैनिकों को मारा, जमीन छीनी, फिर क्यों मोदी की तारीफ कर रहा चीनः राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लद्दाख में गतिरोध से जुड़े प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान की पृष्ठभूमि में सोमवार को सवाल उठाया कि आखिर इस टकराव के समय चीन हमारे प्रधानमंत्री की तारीफ क्यों कर रहा है? उन्होंने एक खबर का हवाला देते हुए ट्वीट किया, ''चीन ने हमारे सैनिकों की हत्या कर दी। चीन ने हमारी जमीन ले ली। फिर चीन इस टकराव के दौरान मोदी तारीफ क्यों कर रहा है? कांग्रेस नेता ने जिस खबर हवाला दिया उसके मुताबिक गलवान घाटी में पिछले दिनों दोनों देशों के सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद हुई सर्वदलीय बैठक में दिए प्रधानमंत्री मोदी के बयान की चीन की मीडिया में तारीफ हुई है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-चीन संघर्ष के विषय पर गत शुक्रवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में कहा था कि न कोई हमारे क्षेत्र में घुसा और न ही किसी ने हमारी चौकी पर कब्जा किया है। उनके इस बयान को लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय ने शनिवार को कहा था कि सर्वदलीय बैठक में मोदी की टिप्पणियों की कुछ हलकों में ''शरारतपूर्ण व्याख्या की कोशिश की जा रही है।

67 नए पॉजिटिव केस आए, 15 हजार के करीब पहुंचा आंकड़ा; कोरोना

जयपुर। राज्य में सोमवार को कोरोना के 67 नए मामले सामने आए। इनमें जयपुर में 28, धौलपुर में 10, अजमेर, झुंझुनू और कोटा में 6-6, दौसा में 5, टोंक में 2, सिरोही में 1 संक्रमित मिले। इसके साथ दूसरे राज्य से आए 3 भी पॉजिटिव मिले। कुल संक्रमितों का आंकड़ा 14997 पहुंच गया। इधर, कोरोना के खिलाफ प्रदेश में सोमवार से 10 दिवसीय जागरुकता अभियान आज से शुरू हो गया। देश के पहले इस अभियान में प्रदेश की 11500 ग्राम पंचायतें वीडियो कान्फ्रेंस के जरिए जुड़ीं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस विशेष अभियान की शुरुआत अपने निवास से सुबह 11 बजे वीडियो कान्फ्रेंस के जरिए की। 'खुद के स्वास्थ्य का खुद ख्याल रखना ही कोरोना से बचने का मुख्य उपाय है' थीम के साथ संचालित इस अभियान का लक्ष्य है कि राजस्थान में कोरोना संक्रमण से रिकवरी की दर अधिक तेजी से बढ़े और मृत्यु दर निरंतर कम होते हुए शून्य हो जाए। कोटा में मकबरा पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला। इस दौरान लोगों ने मार्च का स्वागत किया। लेकिन, सोशल डिस्टेसिंग के नियमों को भूल गए। सीएमएचओ जयपुर प्रथम डॉ. नरोत्तम शर्मा ने बताया कि 14 जून को कजाकिस्तान से कई युवक आए थे। उन्हें टोंक रोड स्थित अलग-अलग होटल में ठहराया गया था। 16 जून को सभी युवकों की कोरोना जांच की गई थी। इन सभी को सख्त हिदायत थी कि बाहर नहीं निकलें। जांच में 17 युवकों में पॉजिटिव आने के बाद सभी को आरयूएचएस में भर्ती कराया गया है। जिला प्रशासन की ओर से होम आइसोलेशन में रहने वाले कोरोना संक्रमित मरीजों को निशुल्क उपचार की सुविधा नहीं दी जा रही। मरीजों को दवाइयों का खर्चा स्वयं ही उठाना पड़ रहा है। इसके अलावा थर्मामीटर और प्लसऑक्सीमीटर तक मरीज खुद ला रहे हैं। जबकि राज्य सरकार की ओर से निशुल्क चिकित्सा व्यवस्था देने के निर्देश हैं। लेकिन, शहर में होम क्वारैंटाइन किए हुए मरीजों को इलाज का खर्चा स्वयं उठाना पड़ रहा है। कोटा मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. विजय सरदाना ने बताया कि कोविड में टेस्टिंग सबसे अहम कड़ी है। इसी पर हमने फोकस किया और आज हमारी टेस्टिंग क्षमता रोजाना 1200 से 1500 तक पहुंच गई है।

कोविड-19 जांच कम करने संबंधी टिप्पणी पर तेलंगाना के मंत्रियों का नड्डा पर जवाबी हमला

हैदराबाद।

तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री ई राजेंद्र ने कोविड-19 से निपटने को लेकर राज्य सरकार की आलोचना करने पर भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा पर जवाबी हमला बोला और कहा कि वह निराधार आरोप लगा रहे हैं तथा राष्ट्रीय दल को ''घटिया राजनीति नहीं करनी चाहिए। नड्डा ने तेलंगाना में कोविड-19 संबंधी ''कम जांच कराए जाने को लेकर सवाल उठाया था। इसके एक दिन बाद राजेंद्र ने उनसे कहा कि वह अन्य राज्यों की आलोचना करने की जगह भाजपा शासित राज्यों की स्थिति को देखें। उन्होंने आरोप लगाया, ''केंद्र ने दो लाख एन 95 मास्क और कुछ पीपीई किट दीं जैसे कोई भीख दी हो। तेलंगाना को मिलने वाली जांच किट कोलकाता भेज दी गईं। हमने स्वयं अपने दम पर 14 लाख एन 95 मास्क और 10 लाख पीपीई किट हासिल कीं। केरल और तमिलनाडु के बाद तेलंगाना स्वस्थ्य देखभाल क्षेत्र में आगे है। तेलंगाना देश के लिए रोल मॉडल है। राज्य के वित्त मंत्री टी हरीश राव ने भी नड्डा की आलोचना की और पूछा कि कोई केंद्रीय मंत्री ऐसी बात कैसे कर सकता है जिससे डॉक्टरों और स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों की सेवाओं को ''कमतर करके आंका जाता हो। नड्डा ने नरेंद्र मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का एक साल पूरा होने पर तेलंगाना में शनिवार को एक डिजिटल रैली में कहा था कि तेलंगाना सरकार कोविड-19 को लेकर पर्याप्त संख्या में जांच नहीं कर रही है। उन्होंने कहा था कि लेकिन तेलंगाना भ्रष्टाचार में जरूर आगे है।

मुस्लिम समाज ने गलवान घाटी के शहीदों को दी श्रदजंलि

साम्बा । गलवान घाटी के शहीदों को याद करने के लिए राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ की तरफ से शहर के मुख्य चौक पर एक विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुस्लिम समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में शहीदों की फोटों पर फूल चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी और भारत माता जय के नारे लगाए। इस दौरान सभी सदस्यों ने 2 मिनट का मौन भी रखा और चीन के सामान को बहिष्कार करने का ऐलान किया। वहीं दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राकेश सम्बयाल पिंटा ने साम्बा जिला के नड ब्लॉक में एक कार्यकम का आयोजन किया, जिसमें दर्जनों भाजपा कार्यकर्त्ताओं ने शहीद की फोटो पर फूल चढ़ाकर उन्हें श्रदंजलि दी। इससे पहले सभी भाजपा नेताओं ने शहीदों को याद करने के लिए 2 मिनट का मौन रखा और भारत माता जय के जमकर नारे लगाए और नीच के सामान का बहिष्कार करने का ऐलान भी किया। इस मौके पर बोलते हुए भाजपा वरिष्ठ नेता राकेश सम्बयाल पिंटा ने कहा कि गलवान घाटी के शहीदों की शहदात को पूरा देश सलाम करता है और उन्हें हमेशा याद रखेगा। पिंटा ने कहा कि भारतीय सेना ने चीनी सेना को इसका मुंहतोड जबाव दिया है और 40 के करीब चीनी सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया है। इस मौके पर नड मडन प्रधान कर्ण सिंह, सरपंच सुरिंद्र सिंह, युवा मोर्चा नड मंडल प्रधान प्रवीण सिंह चीकू, महासचिव धनैंतर सिंह महिला मोर्चा प्रधान सोनिया ठाकूर आदि मौजूद थे।

सार–समाचार

इस साल मुंबई की सड़कों पर नहीं दिखेगी दही–हांडी की धूम

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र समेत पूरे देश में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर 'दही–हांडी' का उत्सव धूमधाम और हर्षोल्लास के माहौल में मनाया जाता है. दही–हांडी उत्सव के बहाने लोग भगवान कृष्ण और उनकी बाल–लीलाओं को याद करते हैं. दही–हांडी उत्सव के दौरान सार्वजनिक स्थलों पर हांडी को रस्सी के सहारे काफी ऊंचाई पर लटका दिया जाता है. दही से भरे मटके को लोग समूहों में एकजुट होकर फोड़ने का प्रयास करते हैं. हांडी को फोड़ने के प्रयास में लोग एक–दूसरे के ऊपर व्यवस्थित तरीके से चढ़कर पिरामिड जैसा आकार बनाते हैं. इससे लोग काफी ऊंचाई पर बंधे मटके तक पहुंच जाते हैं. इस प्रयास में चूंकि एकजुटता की काफी जरूरत पड़ती है, इसलिए यह कहा जा सकता है कि दही–हांडी उत्सव से सामूहिकता को बढ़ावा मिलता है. लेकिन कोरोना महामारी के बढ़ते मामलों को देखते हुए इस साल मुंबई की सड़कों पर दही–हांडी प्रतियोगिता का आयोजन नहीं दिखेगा. दही–हांडी कार्यक्रम के बड़े आयोजनकर्ता समूह 'संस्कृति' ने इस बार के सभी आयोजन को रद्द करने की घोषणा की है. इतना ही नहीं इस आयोजन के नाम पर जो भी चंदा इकट्ठा किया गया था, उसे कोरोना मरीजों के इलाज में खर्च किया जाएगा.

– रोमांच से भरा होता है दही–हांडी का नजारा

दही की हांडी को फोड़ने के प्रयास में लोग कई बार गिरते–फिसलते हैं. हांडी फोड़ने के प्रयास में लगे युवकों और बच्चों को 'गोविंदा' कहा जाता है, जो कि 'गोविंद' का ही दूसरा नाम है. इन गोविंदाओं के ऊपर कई बार पानी की बौछारें भी की जाती हैं. काफी प्रयास के बाद जब गोविंदाओं को कामयाबी हासिल होती है, तो देखने वालों को भी काफी आनंद आता है. हांडी फोड़ने वाले तो फूले नहीं समाते हैं. भक्त इस पूरे खेल में भगवान को याद करते हैं.

– उत्सव की पौराणिक मान्यता

पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान कृष्ण अपने साथियों के ऊपर चढ़कर पास–पड़ोस के घरों में मटकी में रखा दही और माखन चुराया करते थे. कान्हा के इसी रूप के कारण बड़े प्यार से उन्हें 'माखनचोर' कहा जाता है.

– ईनामों की होती बौछार

मौजूदा समय में यह उत्सव केवल परंपरा और आनंद तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें मटकी तक पहुंचने और उसे फोड़ने वालों को लाखों रुपये ईनाम में बांटे जाते हैं. इस दौरान कई राजनीतिक पार्टियां प्रचार करने का भी प्रयास करती हैं.

कानपुर शेल्टर होम कांड के दोषियों को दंडित किया जाए

लड़कियों का तत्काल इलाज हो : अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कानपुर के सरकारी बालिका संरक्षण गृह में रखी गई लड़कियों के गर्भवती होने के मामले की जांच की मांग की है। अखिलेश ने सोमवार को एक ट्वीट में कहा कानपुर के सरकारी बाल संरक्षण गृह से आई ख़बर से प्रदेश में आक्रोश फैल गया है। कुछ नाबालिग लड़कियों के गर्भवती होने का खुलासा हुआ है। इनमें 57 कोरोना वायरस से और एक एड्स से भी ग्रसित पाई गई है, इनका तत्काल इलाज किया जाना चाहिए।

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने मांग की कि सरकार इन लड़कियों का शारीरिक शोषण करने वालों के ख़िलाफ़ तुरंत जांच कराए। गौरतलब है कि कानपुर जिले में राज्य सरकार द्वारा संचालित बालिका संरक्षण गृह में रहने वाली 57 लड़कियों में से कई गर्भवती पाई गई हैं।

जिलाधिकारी ब्रह्मदेव राम तिवारी ने इसकी पुष्टि करते हुए रविवार को बताया कि गर्भवती पाई गई सात में से 5 पांच लड़कियां कोरोना संक्रमित पाई गई हैं।

इन लड़कियों को आगरा, एटा, कन्नौज, फिरोजाबाद और कानपुर की बाल कल्याण समितियों द्वारा कानपुर रेफर किया गया था। उन्होंने बताया कि गर्भवती दो अन्य लड़कियां कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं पाई गई हैं और ये सभी लड़कियां जब कानपुर के बालिका संरक्षण गृह में लाई गई थीं उस समय भी गर्भवती थीं।

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

एक दवा को मंजूरी

भारत में कोरोना संक्रमण के खिलाफ एक दवा को दी गई मंजूरी किसी खुशखबरी से कम नहीं है। हल्के और मध्यम प्रकार के कोरोना संक्रमण के इलाज के लिए इस एंटीवायरल दवा 'फेविपिराविर' को ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने अपनी इजाजत दे दी है। न केवल भारत में दवा आधिकारिक रूप से बनेगी, बल्कि यहां दवा बेचने की भी इजाजत मिल गई है। यह दवा जापान में फ्लू के खिलाफ प्रयोग में रही है और कोविड-19 के इलाज में भी इससे काम में लिया जा रहा है। भारतीय कंपनी भी इसके जेनेरिक संस्करण का निर्माण करती है और कोरोना के दिनों में भी कुछ देशों में इसकी आपूर्ति कर रही है। अब यह दवा भारत में भी कोरोना के खिलाफ काम आएगी, लेकिन इसे केवल डॉक्टर की आधिकारिक सलाह या देखरेख में ही लेने की मंजूरी दी गई है। दवा बनाने वाली कंपनी को अपने परीक्षण में बहुत उत्साहजनक नतीजे मिले हैं और अब इस दवा के सामूहिक प्रयोग से इसकी असली ताकत का बेहतर अंदाजा हो सकेगा। विशेषज्ञ मान रहे हैं कि यह दवा 'गेम चेंजर' हो सकती है। यह दवा कोरोना के प्रारंभिक चरण में कारगर हो सकती है और कोरोना मामलों को गंभीर अवस्था में जाने से बचा सकती है। आगामी दो महीने में इस दवा के कारगर होने के संबंध में पुख्ता आंकड़े उपलब्ध हो जाएंगे। चूंकि यह दवा बहुत सस्ती है, इसका प्रयोग आसान है, इसलिए भी इसका कारगर होना भारत जैसी विशाल आबादी वाले देश और पूरी दुनिया के लिए बड़ी बात होगी। जब भारत में कोरोना संक्रमण के कुल मामले 4.12 लाख से ज्यादा हो गए हैं, जब 13 हजार से ज्यादा लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, तब ऐसी किसी उम्मीद बंधाती दवा को मंजूरी देना और भी जरूरी हो गया था। भारत की बात करें, तो अभी 1.70 लाख से ज्यादा सक्रिय मामले हैं, जिनमें से गंभीर मामले पांच प्रतिशत के करीब पहुंच गए हैं। 95 प्रतिशत से ज्यादा मामले हल्के या मध्यम प्रकार के हैं और इनमें भी जिन मामलों में लक्षण स्पष्ट हैं, वहां यह दवा यदि रामबाण सिद्ध हो जाए, तो यह भारत के लिए बड़ी सफलता होगी। खास बात यह है कि यह दवा एंटीवायरल है और इन दिनों दुनिया के वैज्ञानिक कोरोना की सीधी दवा या वैक्सीन की बजाय एंटीवायरल दवा बनाने में जुटने लगे हैं। कोरोना से लड़ने में ऐसी और भी दवाओं की जरूरत पड़ेगी। संभव है, विभिन्न चरणों और विभिन्न लक्षणों के लिए अलग-अलग एंटीवायरल दवाएं बनें। लेकिन यह तो मानना ही होगा कि यह कोरोना की सोलह आना पुख्ता दवा नहीं है, अभी भी फिजिकल डिस्टेंसिंग ही सबसे मुकम्मल उपाय है। भारत में लॉकडाउन खुलने के बाद संक्रमण में आई तेजी यह साफ कर देती है कि लोगों ने शारीरिक दूरी बनाए रखने में कोताही बरती है। लोगों को और मुस्तैदी से बताना होगा कि आज कोरोना से बचने के लिए भीड़ से बचना और अनजान लोगों से शारीरिक दूरी बनाना स्वस्थ रहने की बुनियादी शर्त है। ऐसे शोध सामने आ चुके हैं कि मास्क न पहनने पर संक्रमित होने का खतरा 70 प्रतिशत से भी ज्यादा बढ़ जाता है और मास्क पहनने पर खतरा 40 प्रतिशत घट जाता है। जिन देशों ने मास्क का यथोचित प्रयोग किया है, वहां संक्रमण काबू में आ रहा है। बेशक, पुख्ता दवा के मिलने तक कोरोना के खिलाफ जारी युद्ध में मास्क ही असली कवच है।

आज के ट्वीट

संघर्ष

अभी हाल ही में 15 जून को लद्दाख में चीनी सेना के साथ हुए संघर्ष में कर्नल सहित 20 सैनिकों की मौत से पूरा देश काफी दु:खी, चिन्तित व आक्रोशित है। इसके निदान हेतु सरकार व विपक्ष दोनों को पूरी परिपक्वता व एकजुटता के साथ काम करना है जो देश-दुनिया को दिखे व प्रभावी सिद्ध हो। - मायावती

जन्म संबंधी रोगों की जड़ें तलाशने की कोशिश

मुकुल व्यास

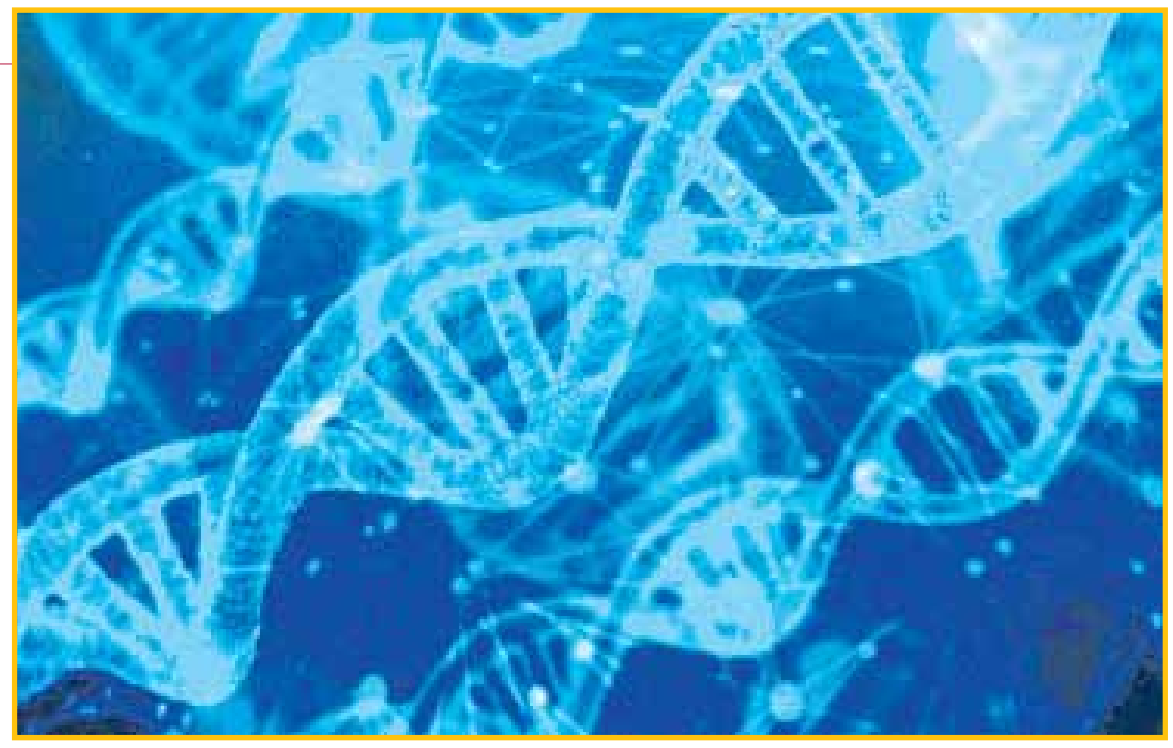

मनुष्य को होने वाली बीमारियों के कारणों को गहराई से समझने और उनका उपचार खोजने के लिए वैज्ञानिक मानव भ्रूण के तरह-तरह के मॉडल विकसित कर रहे हैं। उन्होंने मानव विकास के प्रारंभिक चरण के अध्ययन के लिए मानव भ्रूण की स्टेम कोशिकाओं से एक गैस्ट्रुलॉएड मॉडल तैयार किया है। यह मॉडल 18-21 दिन के भ्रूण के महत्वपूर्ण तत्वों का प्रतिनिधित्व करता है। इस मॉडल को 'गैस्ट्रुलॉएड' भी कहा जाता है। ब्रिटेन की कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी और हॉलैंड के ह्यूब्रेख्त इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इस मॉडल से मानव विकास के नक्शे या ब्लूप्रिंट से जुड़ी प्रक्रियाओं को आसानी के साथ देखा जा सकता है, जिनका सीधा पर्यवेक्षण अभी तक संभव नहीं था। इन प्रक्रियाओं को समझ कर मनुष्य में जन्म संबंधी गड़बड़ियों और बीमारियों के मूल कारणों का पता लगाया जा सकता है। इनके आधार पर गर्भवती महिलाओं के लिए टेस्ट विकसित किए जा सकते हैं। किसी जीव के विकास का ब्लूप्रिंट एक खास प्रक्रिया से उभरता है। इस प्रक्रिया को 'गैस्ट्रुलेशन' कहा जाता है। गैस्ट्रुलेशन के दौरान भ्रूण में कोशिकाओं की तीन विशिष्ट परतें बनती हैं जो आगे चलकर शरीर की मुख्य प्रणालियों को जन्म देती हैं। इनमें से एक परत, एक्टोडर्म कहलाती है, जिससे स्नायु तंत्र बनता है। दूसरी परत को मिसोडर्म कहते हैं, जिससे मसल बनते हैं। एंडोडर्म तीसरी परत होती है, जिससे आंतें बनती हैं। गैस्ट्रुलेशन को अक्सर मानव विकास की 'ब्लैक बॉक्स' अवधि भी कहा जाता है। कानूनी बंदिशों के कारण प्रयोगशाला में मानव भ्रूण को 14 दिन से अधिक अवधि तक विकसित करने की अनुमति नहीं है। गैस्ट्रुलेशन 14 दिन बाद शुरू होता है। जन्म संबंधी कई विकार इस अवधि में उत्पन्न होते हैं। ये विकार एल्कोहल, दवाओं, रसायनों और इंफेक्शनों से संबंधित हैं। गैस्ट्रुलेशन की अवधि को बेहतर ढंग से समझ कर बांझपन और मिसकैरिज जैसी समस्याओं तथा आनुवंशिक गड़बड़ियों पर नई रोशनी डाली जा सकती है। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के आनुवंशिक विभाग के प्रोफेसर एलफांसो मार्टिनेज एरियास ने इस अध्ययन का नेतृत्व किया है। उनका कहना है कि हमारा मॉडल मानव ब्लूप्रिंट के एक हिस्से को दर्शाता है। नेचर पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में रिसर्चरों ने मानव भ्रूण की स्टेम कोशिकाओं से कोशिकाओं की त्रिआयामी संरचना तैयार करने की विधि बताई है। रिसर्चरों ने इन भ्रूण मॉडलों में 72 घंटे बाद अभिव्यक्त हुए जीनों को देखा। इससे उन्हें उस घटना के स्पष्ट संकेत मिले, जहां से मसल, हड्डियों और कार्टिलेज की कोशिकाओं के निर्माण का सिलसिला आरंभ होता है। अभी तक वैज्ञानिक गैस्ट्रुलेशन की प्रक्रिया के अध्ययन के लिए चूहों और जेब्राफिश के मॉडल पर निर्भर थे लेकिन इन मॉडलों के आधार पर यह तय करना मुश्किल था कि मानव भ्रूण में कोशिकाएं कब विशिष्ट रूपों में विकसित होती हैं। दूसरी बात यह है कि जानवरों के मॉडल कुछ दवाओं पर अलग-अलग ढंग से रेस्पांस देते हैं। मसलन, मॉर्निंग सिकनेस के लिए एक दवा चूहों पर परीक्षण के बाद क्लिनिकल ट्रायल में पास हो गई थी लेकिन मनुष्यों पर इसके प्रयोग के बाद जन्म संबंधी गड़बड़ियां देखी गईं। रिसर्चरों ने कहा कि इन्हीं कारणों की वजह से मानव विकास के बेहतर मॉडल विकसित करना आवश्यक है। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन की प्रोफेसर जॉयस हार्पर ने कहा कि गैस्ट्रुलेशन हमारे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण चरण है। लेकिन अभी तक हम मनुष्यों में इसका अध्ययन नहीं कर पाए हैं। इस नए मॉडल से हम मानव के विकास के प्रारंभिक चरण को ज्यादा बेहतर ढंग से समझ पाएंगे और यह भी जान पाएंगे कि गड़बड़ी कहां हो रही है। मानव भ्रूण के मॉडल को लेकर सभी देशों में रिसर्च नहीं हो पाएगी। इस क्षेत्र में कार्य करने वाले रिसर्चर 14 दिन के नियम का पालन करते हैं। 14 दिन से ऊपर मानव भ्रूण पर रिसर्च करना नैतिक दृष्टि से वर्जित है। लेकिन ब्रिटेन और जापान में इस तरह के मॉडलों पर रिसर्च करने की अनुमति है क्योंकि ये भ्रूण मॉडल आगे विकसित नहीं हो सकते। इसकी वजह यह है कि इन मॉडलों में मस्तिष्क कोशिकाएं नहीं होतीं। आवश्यक टिशुओं के अभाव में इनको गर्भाशय में प्रत्यारोपित नहीं किया जा सकता। अमेरिका में इस तरह के मॉडल तैयार करने या उन्हें नष्ट करने पर रोक है। इस बीच, अमेरिकी रिसर्चरों ने एक ऐसा भ्रूण बनाया है, जिसमें चूहे की कोशिकाओं के साथ मानव कोशिकाएं भी हैं। इस संकर भ्रूण में चार प्रतिशत मानव कोशिकाएं हैं। इससे पहले विकसित किए गए संकर भ्रूणों में मानव कोशिकाओं का अंश इस अनुपात में नहीं था। इस मिश्रित भ्रूण का विकास अमेरिका में बफैलो स्थित स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क और रोसवेल पार्क कैंसर सेंटर ने किया है। इस प्रयोग में मानव रक्त कोशिकाओं और नेत्र कोशिकाओं को सम्मिलित किया गया। रिसर्चरों ने यह साबित किया कि चूहे के भ्रूण में मानव कोशिकाओं को सामान्य मानव भ्रूण की तुलना में ज्यादा तेज गति से विकसित किया जा सकता है। कोविड-19 सहित विभिन्न बीमारियों के इलाज के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है क्योंकि इससे रिसर्च कार्यों के लिए कोशिकाओं, टिशुओं और अंगों को तेजी से उगाया जा सकता है। रिसर्चरों ने चूहे के भ्रूण में मानव कोशिकाएं इंजेक्ट कीं और उसे दो हफ्ते तक विकसित होने के लिए छोड़ दिया। दो हफ्ते बाद भ्रूण का विश्लेषण करने पर उन्हें चूहे के मस्तिष्क, लीवर, हृदय, आंखों, रक्त और बोन मैरो में मानव कोशिकाएं दिखीं। रिसर्चरों ने मिश्रित भ्रूण को और आगे विकसित नहीं होने दिया। हालांकि, पिछले मामलों में कुछ वैज्ञानिकों ने जीवों को भ्रूणावस्था से भी आगे विकसित होने दिया था। वर्ष 1984 में वैज्ञानिकों ने संकर भेड़-बकरी का विकास किया था। यह जीव वयस्क अवधि तक ही जीवित रह पाया। अभी हाल में चीन में बंदर और सूअर के दो संकर जीव विकसित किए गए थे जो जन्म लेने के बाद कुछ ही हफ्ते जीवित रह पाए थे।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

अनाचार

श्रीराम शर्मा आचार्य

आकर्षक लगने वाली सभी वस्तुएं उपयोगी नहीं होतीं। सर्प, बिच्छू, कांतर, कनखजूरे जैसे प्राणी देखने में सुन्दर लगते हैं पर उनके गुणों को देखने पर पता चलता है कि वे समीप आने वाले को कितना त्रास देते हैं? प्रथम पहचान में ही न किसी का मित्र बनना चाहिए और न किसी को बनाना चाहिए। चरित्र के बारे में बारीकी से देखना, समझना और परखना चाहिए। मात्र शालीनता के प्रति आशा रखने वाले और आदशरे का दृढ़तापूर्वक अवलम्बन करने वाले ही इस योग्य होते हैं कि उनसे घनिष्ठता का संबंध स्थापित किया जाए। बड़ी बात दुर्जनों को समझाकर सज्जनता के मार्ग पर लाना उतना महत्त्वपूर्ण नहीं है, जितना कि उनके गिरोह को छिन्न-भिन्न करने से लेकर घात लगाने की चलती प्रक्रिया में कारगर अवरोध खड़े कर देना। इसके लिए जनसाधारण को साहस जगाने वाला प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए, प्रतिरोध कर सकने वाली साहसिक मंडलियों का गठन किया जाना चाहिए और सरकरी तंत्र तक यह आवाज पहुंचाई जानी चाहिए कि उसके भागीदार अधिकारी कर्मचारी उस कर्तव्य का ईमानदारी से पालन करें जिसके लिए उन्होंने जिम्मेदारी कंधे पर उठाई है। इस कार्य में उन्हें जहां भी कठिनाई अनुभव हो रही हो, उसे दूर करने के लिए जागरूक नागरिकों को समुचित प्रयत्न करना चाहिए। जनता का साहस, सुरक्षा बलों का पराक्रम और सरकारी तंत्र का समुचित योगदान यदि मिलने लगे तो गुंडागर्दी का उन्मूलन कठिन न रहेगा। हर व्यक्ति अपने को ऐसा चुस्त-दुरु स्त रखे, जिससे प्रतीत हो कि वह किसी भी आक्रमण का सामना करने के लिए तैयार है। यह कार्य प्राय- एकाकी होने पर नहीं बन पड़ता, समूह में अपनी शक्ति होती है। मिल-जुलकर रहने और एक-दूसरे की क्षमता बनाए रहने पर आधी मुसीबत टल जाती है। निजी हौसला बुलन्द रखने के अतिरिक्त अपने जैसे ही साहसी लोगों का संगठन बना लेना चाहिए और उनके साथ-साथ रहने, साथ-साथ उठने-बैठने के अवसर बनाते रहने चाहिए। बर्र के छत्ते में हाथ डालने में डर लगता है, पर यदि वह अकेली पास आ डटे तो उसका कचूमर निकालने के लिए कोई भी तैयार हो जाता है। बन्दर समूह में रहते हैं और एक को छेड़ने पर दूसरे भी उनकी सहायता को इकट्ठे हो जाते हैं। इस कारण लोग बन्दरों के झुंड को छेड़ते नहीं, उससे बचकर ही निकलने में अपनी भलाई देखते हैं।

खुद गलकर ही बीज खिलाता है पुष्प

योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

भारतीय जीवनदर्शन में जरूरतमंद की मदद को बड़ा महत्व दिया गया है। देश में एक संस्कृति रही है कि हम वंचित समाज को दान-दक्षिणा देकर जीवन की जरूरतों में सहयोग करने पर विचार करते हैं। यहां एक विचारणीय प्रश्न यह भी उभरता है कि परिस्थितिवश मुश्किल में पड़े व्यक्ति की तो मदद की जानी चाहिए। इसमें किसी आपदा या दुर्घटना में शामिल व्यक्ति भी शामिल है। लेकिन यदि किसी ने स्वस्थ रहते हुए मांगकर या दी हुई सहायता को ही जीवनयापन का जरिया बना लिया तो क्या इसे तार्किक माना जाये? क्या उसे इस तरह मुफ्त की सहायता लेने का हक है? कहीं हम उसे अकर्मण्य तो नहीं बना रहे हैं? यदि हम किसी की मदद करते हैं तो उसमें यह भाव जरूर आना चाहिए कि इस परिस्थिति से उबर कर मैं शीघ्र स्वावलंबी बनूं। कुछ रचनात्मक सोचकर आय का जरिया तलाशूं। कुल मिलाकर मदद प्रेरक होनी चाहिए, जो उसे स्वाभिमान से जीना सिखाये।

इसी विचार की कड़ी में एक बेहद प्रेरक प्रसंग पढ़ने को मिला, जो व्यथित अन्तर्मन को बहुत शांति प्रदान करता है। जो पाने के हक के गहरे निहितार्थों को सहजता से बताता है। निन्संदेह प्रेरणादायी प्रसंग जीवन को नई दृष्टि देता है।

'एक रेलवे स्टेशन पर एक भिखारी रोज़ भीख मांगा करता था। एक दिन सूटेड-बूटेड व्यक्ति से उसने भीख मांगी, तो उसने कहा कि मैं तुम्हें भीख क्यों दूं? क्या तुम मुझे बदले में कुछ दोगे? भिखारी बोला— 'साहब, मैं तो खुद मांगता हूं, भला मैं क्या दे सकता हूं।'

उस सेठ ने भीख नहीं दी और चला गया। उधर भिखारी के मन में उसके शब्द गूंजने लगे कि तुम क्या दोगे जो मैं तुम्हें कुछ दूं। उसने देखा कि स्टेशन के बाहर काफी फूल लगे हुए हैं, जो दूसरे दिन मुरझा जाते हैं। उसने कुछ अच्छे फूल तोड़े और भीख देने वाले को फूल भेंट कर दिया। लोगों को अच्छा लगा और उसे भीख ज्यादा मिलने लगी।

कुछ दिन बाद वही सेठ स्टेशन पर भिखारी को मिला और फूल देकर बोला कि आपने मुझे लोगों को कुछ देने को कहा था, सो अब मैं ये फूल देता हूं। सेठ ने उसे बताया कि ये फूल तुम अपने परिश्रम से नहीं उगाते, इसलिए ये तुम्हारे तो नहीं हैं न? और सेठ ने भीख नहीं दी तो भिखारी ने उसकी बात पर फिर सोचा तो उसने अपनी झोपड़ी के पास खाली जमीन पर फूल उगाने शुरू कर दिए।

कुछ दिन बाद दो सूटेड-बूटेड व्यक्ति स्टेशन पर आमने-सामने थे। एक ने कहा— 'आपने मुझे पहचाना?' दूसरा बोला कि हम तो पहली बार मिले हैं, तो पहले ने कहा कि श्रीमान हम तीसरी बार मिल रहे हैं।

मैं वही भिखारी हूं, जिसे आपने भीख नहीं दी थी, तो मैं लोगों को स्टेशन से फूल तोड़कर भेंट करने लगा। आपने फिर कहा था कि ये मेरे परिश्रम से उगाए हुए तो नहीं हैं तो मैंने झोपड़ी के पास जमीन पर फूल उगाए और आज मैं फूलों का व्यापारी बन गया हूं। अब भीख नहीं मांगता, बल्कि लोगों को जीविका देता हूं। आपका ऋणी हूं कि आपने मुझे जीवन का सबसे बड़ा मंत्र दिया कि 'लेना ही सब कुछ नहीं होता, हमें देना आना चाहिए।'

सेठ बोला— 'मित्र, आज आप मेरी तरह सच्चे व्यापारी बन गए हैं और अब आपसे हाथ मिलाना मेरे लिए गर्व की बात है।' हाथ मिलाकर दोनों अपनी-अपनी मंज़िल की ओर चले गए।

इस प्रसंग के बाद मुझे अपना ही एक मुक्तक याद आ गया, जो इसी भाव को विस्तार देता है :-

'कुछ देकर ही कुछ मिलता है।
दुख सहकर ही सुख मिलता है।
है अटल नियम इस सृष्टि का,
बीज गलकर ही पुष्प खिलता है।'

नि:संदेह, जब तक हम 'देना' नहीं सीखते, हमें 'लेने' का अधिकार भी नहीं मिल सकता। अंग्रेजों ने तो बहुत साफ-साफ नियम बनाया है 'गिव एंड टेक' अर्थात ् पहले दो, फिर लो।

विश्वकृति 'कामायनी' में प्रलय के बाद चिंताग्रस्त मनु को श्रद्धा ने यही तो समझाया था :-

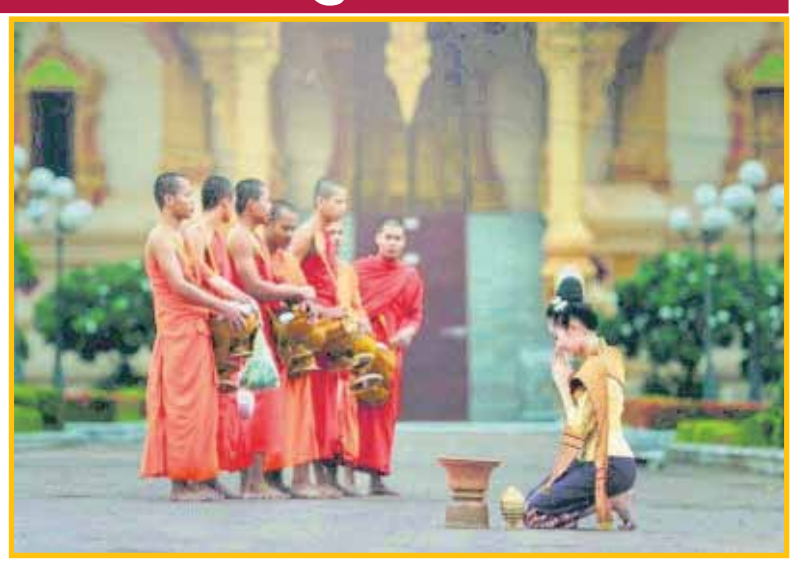

'अपने में भर सब कुछ कैसे,
व्यक्ति विकास करेगा?
यह एकांत स्वार्थ है भीषण,
अपना नाश करेगा।'

और शायद, इसी जीवन-मंत्र को सार्थक मानते हुए मस्तमौला, फक्कड़ कबीर ने भी तो यही कहा था :-

'मांगन मरण समान है,
मत कोई मांगो भीख।
कहे कबीर सुन रे मना,
करके खाना सीख।'

जीवन में आत्मनिर्भरता सबसे बड़ा गुण माना गया है और मांगना सबसे बड़ा अपमान होता है।

इस विश्वव्यापी संकट की घड़ी में एक संकल्प तो हम सब ले ही लें कि हम आपदा की घड़ी में 'सहायक' तो अवश्य बनें, लेकिन किसी को 'भीख' देकर उसे अकर्मण्य बनाने का पाप न करें। किसी को भी याचक न बनाएं बल्कि खुद के पैरों पर खड़ा होने का साहस उसमें भरने का सद्प्रयास करें।

आज का राशिफल

मेष गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे।

तुला शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।

मीन जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एसबीआई ने स्वर्ण मुद्रीकरण योजना के तहत 13,212 किलो सोना जुटाया

नयी दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक उसने स्वर्ण मुद्रीकरण योजना (जीएमएस) के तहत 13,212 किलोग्राम घरेलू और संस्थागत सोना जुटाया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंक ने 2019-20 में जीएमएस के तहत 3,973 किलोग्राम सोना जुटाया था। सरकार ने आम लोगों और ट्रस्टों के पास रखे सोने का इस्तेमाल करने के लिए इस योजना की शुरुआत की थी। एसबीआई ने रिपोर्ट में कहा, ''वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान बैंक ने 3,973 किलोग्राम सोना जुटाया, जिसके साथ अब तक कुल 13,212 किलोग्राम सोना जुटाया जा चुका है।'' सरकार ने घरों में और संस्थानों के पास बिना उपयोग वाले सोने को जुटाने के लिए नवंबर 2015 में जीएमएस की शुरुआत की थी। योजना का मकसद बेकार पड़े सोने का इस्तेमाल कर सोने के आयात पर देश की निर्भरता को कम करना था।

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने महाराष्ट्र में उतारा 'सरपंच प्लस' ट्रैक्टर

नयी दिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने महाराष्ट्र में अपनी नयी ट्रैक्टर श्रेणी 'सरपंच प्लस' उतारी है। कंपनी के '575 सरपंच प्लस' मॉडल के ट्रैक्टर की राज्य में शोरूम कीमत 6.60 लाख रुपये है। कंपनी ने एक बयान में कहा '575 सरपंच प्लस' उसके पहले से मौजूद '575 सरपंच' ट्रैक्टर का उन्नत संस्करण है। इस श्रेणी के तहत 30 अश्वशक्ति से लेकर 50 अश्वशक्ति तक के मॉडल पेश किए गए हैं। कंपनी नयी श्रेणी के ट्रैक्टरों पर छह साल की वारंटी दे रही है। ग्राहक 5,000 रुपये देकर इसकी ऑनलाइन बुकिंग भी कर सकते हैं। कंपनी के अध्यक्ष (कृषि उपकरण) हेमंत सिक्का ने कहा, '' नयी श्रृंखला को आधुनिक किसानों की बदलती मांगों के अनुरूप विकसित किया गया है। ये उन्हें ज्यादा शक्ति प्रदान करते हैं।'' इनका विनिर्माण कंपनी देशभर के संयंत्रों में करेगी।

जीई पावर का शुद्ध लाभ चौथी तिमाही में 44 प्रतिशत घटकर 14.87 करोड़ रुपये रहा

नयी दिल्ली। जीई पावर इंडिया का एकीकृत शुद्ध लाभ मार्च 2020 को समाप्त तिमाही में 44 प्रतिशत घटकर 14.87 करोड़ रुपये रहा। जीई पावर इंडिया ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इससे पूर्व वित्त वर्ष 2018-19 की इसी तिमाही में कंपनी को 26.85 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी की आय 2019-20 की चौथी तिमाही में बढ़कर 773.65 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले इसी तिमाही में 400.81 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2019-20 में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ बढ़कर 84.60 करोड़ रुपये रहा जो इससे पूर्व वित्त वर्ष में 75.40 करोड़ रुपये था। कंपनी की आय आलोच्य वित्त वर्ष में 2,570.79 करोड़ रुपये रही जो इससे पूर्व वित्त वर्ष 2018-19 में 2,035.21 करोड़ रुपये थी। कंपनी के निदेशक मंडल ने 31 मार्च 2020 को समाप्त वित्त वर्ष के लिये 2 रुपये प्रति इक्विटी शेयर का लाभांश देने की सिफारिश की है।

जीई पावर का शुद्ध लाभ चौथी तिमाही में 44 प्रतिशत घटकर 14.87 करोड़ रुपये रहा

नयी दिल्ली । जीई पावर इंडिया का एकीकृत शुद्ध लाभ मार्च 2020 को समाप्त तिमाही में 44 प्रतिशत घटकर 14.87 करोड़ रुपये रहा। जीई पावर इंडिया ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इससे पूर्व वित्त वर्ष 2018-19 की इसी तिमाही में कंपनी को 26.85 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी की आय 2019-20 की चौथी तिमाही में बढ़कर 773.65 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले इसी तिमाही में 400.81 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2019-20 में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ बढ़कर 84.60 करोड़ रुपये रहा जो इससे पूर्व वित्त वर्ष में 75.40 करोड़ रुपये था। कंपनी की आय आलोच्य वित्त वर्ष में 2,570.79 करोड़ रुपये रही जो इससे पूर्व वित्त वर्ष 2018-19 में 2,035.21 करोड़ रुपये थी। कंपनी के निदेशक मंडल ने 31 मार्च 2020 को समाप्त वित्त वर्ष के लिये 2 रुपये प्रति इक्विटी शेयर का लाभांश देने की सिफारिश की है।

कोरोना संकट के बीच कर्मचारियों पर गिरी गाज, नौकरी जाने के बाद भी चुकाना होगा टैक्स

नई दिल्ली।

कोरोना महामारी के दौरान कर्मचारियों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही हैं। लॉकडाउन की वजह से राजस्व में कमी के कारण कई उद्योगों/संस्थानों ने कर्मचारियों की छंटनी कर दी है तो कई ने रिटायरमेंट के करीब पहुंचे कर्मचारियों को समय से पहले सेवानिवृति दे दिया है। ऐसी कंपनियां नौकरी से हटाए गए इन कर्मचारियों को ग्रैच्युटी , वीआरएस भत्ता अतिरिक्त वेतन जैसे कई तरह के भुगतान कर रही हैं। ऐसे कर्मचारियों पर दोहरी मार इस तरह से पड़ रही है कि नौकरी तो गई और इन मिलने वाले भत्तों पर भी इनकम टैक्स लग रहा है। आयकर कानून की धारी 17(3) के तहत किसी भी कर्मचारी को कंपनी की तरफ से वेतन के अलावा मिलने वाले भुगतान पर चुकाना पड़ता है। इसके तहत नौकरी से हटाए गए कर्मचारी को इस दौरान मिलने वाले भत्तों पर आयकर चुकाना होगा। नौकरी छूटने के बाद दूसरा काम कर पैसा कमाया तो उस आय पर भी टैक्स चुकाना होगा। वैसे इसमें कुछ छूट के प्रावधान भी हैं। नियोक्ता की तरफ से वॉलेंटियर रिटायरमेंट ( ) के दौरान सभी भत्तों को मिलाकर चुकाए गए 5 लाख रुपए तक की रकम पर आयकर अधिनियम की धारा 10( ) के तहत टैक्स से छूट मिलती है। ये छूट करदाता को एक बार ही मिल सकती है। अगर के दौरान मिलने वाली रकम नौकरी के दौरान मिलने वाले तीन महीने की सैलरी से ज्यादा हो तो कर्मचारी को टैक्स चुकाना होगा। यदि कर्मचारी को नौकरी से हटाए जाने वाले भत्ते इंडस्ट्रियल डिस्प्यूट्स एक्ट के तहत मिलते हैं तो 5 लाख रुपए की रकम पर टैक्स में छूट का लाभ लिया जा सकता है। केंद्र सरकार, राज्य सरकार, स्थानीय निकाय और प्राइवेट कंपनियों के कर्मचारियों को ग्रैच्युटी पर टैक्स में छूट का लाभ मिलता है। गैर सरकारी कर्मचारियों को एक सीमा तक ग्रैच्युटी पर टैक्स में छूट का प्रावधान है। इस सीमा से ज्यादा ग्रैच्युटी बनने पर उन्हें इस पर का भुगतान करना पड़ता है।

सेंसेक्स 180 अंक मजबूत, वित्तीय कंपनियों के शेयरों में तेजी

मुंबई। वित्तीय कंपनियों के शेयरों में तेजी के साथ बीएसई (पूर्व में बंबई शेयर बाजार)सेंसेक्स सोमवार को करीब 180 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ। हालांकि एशिया के अन्य प्रमुख बाजारों में गिरावट का रुख रहा। कारोबार के दौरान 482 अंक मजबूत होने के बाद 30 शेयरों वाला सेंसेक्स अंत में 179.59 अंक यानी 0.52 प्रतिशत मजबूत होकर 34,911.32 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 66.80 अंक यानी 0.65 प्रतिशत मजबूत होकर 10,311.20 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में बजाज ऑटो सर्वाधिक लाभ में रहा। कंपनी का शेयर करीब 7 प्रतिशत मजबूत हुआ। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, कोटक बैंक, पावरग्रिड और एक्सिस बैंक में भी तेजी रही। दूसरी तरफ ओएनजीसी, एचडीएफसी, टीसीएस और रिलायंस इंडस्ट्रीज नुकसान में रहीं। आनंद राठी के इक्विटी शोध प्रमुख (फंडामेंटल) नरेंद्र सोलंकी ने कहा कि एशियाई बाजारों में मिले-जुले रुख के बीच घरेलू बाजार बढ़त के साथ खुले। उन्होंने कहा कि दोपहर के कारोबार के दौरान बैंक, वित्तीय सेवा, धातु और मझोली कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बढ़त बनी रही।

कोविड-19: एयरटेल खुदरा, वितरण कारोबार में भागीदार इकाइयों के 30,000 कर्मचारियों को देगी मई का वेतन

नयी दिल्ली। दूरसंचार कंपनी एयरटेल ने अपने खुदरा और वितरण कारोबार में भागीदार के तौर पर जुड़ी इकाइयों के करीब 30,000 कर्मचारियों को मई का वेतन देने का निर्णय किया है। कोविड-19 संकट और लॉकडाउन जैसे मुश्किल वक्त में इनकी मदद के लिए कंपनी ने इस संबंध में अपने सहयोगियों को एक पत्र लिखा है। कंपनी इससे पहले अप्रैल में भी अपने वितरण और खुदरा फ्रेंचाइजी नेटवर्क के कर्मचारियों को वेतन दे चुकी है। कंपनी के पत्र की प्रतिलिप पीटीआई-भाषा ने देखी है। इसके मुताबिक भारती एयरटेल के हब सीईओ (ऊपरी उत्तर) मनु सूद ने कहा है, '' हम एक अभूतपूर्व हालतों का सामना कर रहे हैं और लॉकडाउन अप्रैल और मई महीने तक खिंच गया और इसका हमारे कारोबार पर पहले ही बहुत प्रभाव पड़ा है। इस व्यवधान का अन्य श्रेणी के कारोबारों पर और भी बुरा असर हुआ है।'' उन्होंने कहा कि ऐसे समय में कंपनी ने अपने सहयोगियों के 30,000 से अधिक कर्मचारियों का मई का मूल वेतन मई का मूल वेतन देने का निर्णय किया है। सूद ने कहा कि दूरसंचार क्षेत्र ने इस लॉकडाउन जैसे मुश्किल वक्त में देश को और ग्राहकों को आपस में जोड़े रखने में मदद की।

रेलवे में निजी क्षेत्र के लिये अपार अवसर, माल ढुलाई पिछले साल के 95प्रतिशत तक पहुंची: गोयल

नयी दिल्ली।

रेल मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि इस क्षेत्र में व्यवसायों के लिए बहुत सारे अवसर हैं, क्योंकि मंत्रालय रेल मार्गों और पार्सल गाड़ियों को किराये पर देने को तैयार है। उन्होंने कहा कि रेलवे में माल ढुलाई का काम पिछले साल के 95 प्रतितशत तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि रेलवे अब निजी क्षेत्र में 150 यात्री ट्रेन शुरू करने जा रहा है और इस योजना के लिये इच्छुक इकाइयों को आमंत्रित किया है। गोयल ने उद्योगमंडल सीआईआई द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन कार्यक्रम में कहा, निजी क्षेत्र लाखों तरीके से सहयोग कर सकता है ... मैं नये मार्गों को पट्टे पर देने जा रहा हूं, इस अर्थ में कि मैं यह कहने जा रहा हूं कि ठीक है आप (निजी कंपनियां) उन मार्गों की पहचान करें, जिनपर आप ट्रेन सेवा शुरू करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ''यदि आप चाहते हैं तो हम आपके साथ नयी लाइनों में निवेश करने के लिये भी तैयार हैं। हम ट्रैफिक मार्गों को पट्टे पर देने के लिये तैयार हैं, हम पार्सल ट्रेनों को पट्टे पर देने के इच्छुक हैं। इसलिये, निजी क्षेत्र के लिये बहुत सारे अवसर हैं। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ एक एलिवेटेड गलियारे पर विचार कर सकता हैं, क्योंकि इसमें भूमि खरीदने की चुनौती नहीं होगी। मंत्री ने यह भी कहा कि रविवार को रेलवे पिछले साल 21 जून की तुलना में लगभग 95 प्रतिशत माल की ढुलाई करने में समर्थ हुआ है।उन्होंने कहा, ''तो हम 21 जून 2019 की तुलना में महज पांच प्रतिशत नीचे थे। यदि हम पूरे जून महीने को देखते हैं, तो हम माल ढुलाई के मामले में एक जून से 21 जून के दौरान लगभग आठ प्रतिशत नीचे हैं। मेरा मानना है कि जुलाई तक हम इसे बराबर कर लेंगे और हम अगस्त से सितंबर तक वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।'' मालगाड़ी की औसत गति के बारे में उन्होंने कहा कि पिछले साल 21 जून को यह 22.98 किमी प्रति घंटा थी और रविवार को 41.74 किमी प्रति घंटा थी। गोयल ने कहा, हम लंबे समय से प्रतीक्षित रख-रखाव कार्यों को पूरा करने के लिये इस समय का उपयोग बुद्धिमता से कर रहे हैं। इसके साथ ही वैसी कई लाइनों को इंटरकनेक्ट करने के लिये भी इस समय का उपयोग किया गया है, जिन्हें लंबे समय तक शटडाउन की आवश्यकता थी।'' उन्होंने कहा, हम इस समय का उपयोग रेलवे की समय सारिणी को और अधिक बेहतर बनाने के लिये कर रहे हैं। हम माल और पार्सल ट्रेनों को टाइम टेबल में ला रहे हैं ताकि हम व्यवसायों को कम समय में लंबी दूरी की डिलिवरी के प्रति आश्वस्त कर सकें।

उन्होंने उम्मीद जतायी कि मंत्रालय आगे चलकर माल ढुलाई को सस्ता बना सकता है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि रविवार तक भारतीय रेलवे ने 4,553 श्रमिक विशेष ट्रेनों का परिचालन किया और इनकी संख्या लगातार कम हो रही है।

सीसीआई ने स्विगी के खिलाफ अनुचित कारोबारी व्यवहार की शिकायत को खारिज किया

नयी दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने घर-घर खाना पहुंचाने वाली ऑनलाइन कंपनी स्विगी के खिलाफ अनुचित व्यापार व्यवहार के मामले में दर्ज कराई गई शिकायत को खारिज कर दिया। सीसीआई में स्विगी के खिलाफ ग्राहकों से अतार्किक और अनुचित दाम वसूल करने की शिकायत दर्ज करायी गयी थी। शिकायतकर्ता का कहना है कि स्विगी आमतौर पर अपने भागीदार रेस्त्रां से समूचे आर्डर बिल पर जीएसटी सहित कमीशन वसूलती है। स्विगी आमतौर पर ग्राहक से 20 से 100 रुपये के बीच डिलिवरी शुल्क वसूलती है। कई बार खास मौकों पर जैसे की अधिक मांग का समय होने, वर्षा होने या फिर मध्यरात्रि के समय अधिक शुल्क भी वसूलती है। शिकायतकर्ता का दावा है कि स्विगी अपनी वेबसाइट पर जो दरें वसूलती है वह उस संबंधित रेस्त्रां द्वारा दिखाई दरों के मुकाबले काफी अधिक होतीं हैं। इसके ऊपर डिलिवरी शुल्क अलग से लिया जाता है। ग्राहकों को आमतौर पर इस बारे में जानकारी नहीं होती है कि स्विगी जिस रेस्त्रां से सामान की डिलीवरी करवा रहा है उस रेस्त्रां में सीधे जाने वाले ग्राहकों को काफी कम दाम पर यह सामान उपलब्ध होता है। वहीं स्विगी ने इस शिकायत पर दिये गये अपने जवाब में कहा है कि वह केवल एक मध्यस्थ के तौर पर काम करती है।

भारत को नुकसान पहुंचाने के लिए चीन ने चली नई चाल, अब बढ़ाने जा रहा है इस जरूरी सामान के दाम

नई दिल्ली।

फार्मा प्रॉडक्ट के मामले में भारत की चीन पर निर्भरता इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि वह अब इसका गलत फायदा उठाने लगा है। आपको बता दें कि भारतीय दवा कंपनियां अपनी जरूरत का 70 फीसदी चीन से आयात करती हैं। लद्दाख गलवान घाटी घटना के बाद अब इन प्रॉडक्ट्स की कीमतें बढ़ानी शुरू कर दी हैं। भारत हर साल लगभग 39 अरब डॉलर (करीब 3 लाख करोड़) का दवा तैयार करता है। दवा तैयार करने के जरूरी स्टार्टिंग मटीरियल,ृक्क्ष् के लिए भारत बहुत हद तक चीन पर निर्भर है। भारतीय कंपनियां 70 फीसदी एपीआई की जरूरत चीन से आयात कर पूरा करती हैं। कुछ दवाओं के लिए यह 90 फीसदी तक है। वित्त वर्ष 2019 में भारत ने चीन से करीब 17,400 करोड़ (2.5 अरब डॉलर) का एपीआई आयात किया था। कॉमर्स ऐंड इंडस्ट्री मिनिस्ट्री के अंतर्गत आने वाले फार्मासूटिकल एक्सपोर्ट प्रोमोशन काउंसिल के चेयरमैन दिनेश दुआ ने गलवान घाटी घटना को लेकर कहा कि चीन हम पर दो तरह से हमला कर रहा है। एक तरफ वह सीमा पर हमला कर रहा है और दूसरी तरफ भारत की निर्भरता का गलत फायदा उठाने लगा है।

एपीआई की कीमत में तेजी से दवाओं की कीमत बढ़ने लगी है। उन्होंने कहा कि पेरासिटामोल की कीमत में 27 फीसदी, की कीमत में 20 फीसदी और पेन्सिलीन जी की कीमत में 20 फीसदी की तेजी आई है।

हर तरह के फार्मा प्रॉडक्ट की कीमत में करीब 20 फीसदी की तेजी दर्ज की गई है। यह स्थिति गंभीर इसलिए है कि क्योंकि वॉल्यूम के लिहाज से भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा दवा उत्पादक है। भारत की प्रमुख दवा बनाने वाली कंपनियां जैसे डॉक्टर रेड्डी लैब, लुपिन,ग्लेनमार्क फार्ममा, मायलन, जायडस कैडिला और पीफाइजर जैसी कंपनिया के लिए मुख्य रूप से चीन पर निर्भर हैं।

ग्लेनमार्क फार्मा, मायलन, जायडस कैडिला और पीफाइजर जैसी कंपनिया के लिए मुख्य रूप से चीन पर निर्भर हैं। भारत 53 महत्वपूर्ण फार्म का 80-90 फीसदी आयात चीन से करता है।

कामधेनू समूह के सभी कारखानों में कामकाज फिर शुरू

नयी दिल्ली। इस्पात क्षेत्र की कंपनी कामधेनू समूह के देशभर के सभी संयंत्रों में 60 प्रतिशत कामकाज दोबारा चालू हो गया है। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि वह चरणबद्ध तरीके से आर्थिक गतिविधियों को खोलने के सरकार के फैसले का स्वागत करती है। समूह के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक सतीश कुमार अग्रवाल ने कहा, '' जून के पहले सप्ताह में देशभर में आर्थिक गतिविधियों को दोबारा खोलने की शुरुआत किये जाने के बाद हमने अपने टीएमटी लोहे के सरिया बनाने की इकाइयों में अब तक 60 प्रतिशत से अधिक क्षमता का परिचालन शुरू कर दिया है। इसी के साथ हम अपने कर्मचारियों के लिए साफ-सफाई, सैनिटाइजिंग और सामुदायिक दूरी जैसी अन्य एहतियातों का अनिवार्य रूप से पालन भी कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि कंपनी बाजार की हालत का जायजा लेने के बाद अपने उत्पादन को और बढ़ाने पर विचार करेगी। गुरुग्राम की यह कंपनी इस्पात और पेंट क्षेत्र में काम करती है । कंपनी के संयंत्र ओडिशा, गुजरात, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, बिहार, गोवा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, कंपनी अपने ब्रांड नाम का अधिकार देते हुये कई राज्यों में कारखानों में उत्पादन गतिविधियां चलवाती है।

जीवन बीमा इकाई में आईसीआईसीआई बैंक ने बेची डेढ़ फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली।

आईसीआईसीआई बैंक ने अपनी अनुषंगी जीवन बीमा इकाई आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में 1.5 फीसदी हिस्सेदारी 840 करोड़ रुपए में बेच दी है। बैंक ने सोमवार को कहा कि इससे उसे अपने बहीखाते दुरुस्त करने में मदद मिलेगी। पिछले हफ्ते बैंक ने अपनी अनुषंगी साधारण बीमा कंपनी आईसीआईसीआई लोम्बार्ड में भी 3.96 फीसदी हिस्सेदारी 2,250 करोड़ रुपए में बेची थी। बैंक ने नौ मई को अपने 2019-20 के वित्तीय परिणामों की घोषणा करते वक्त कहा था कि वह अपने बहीखातों को दुरुस्त करने के लिए प्रयासरत रहेगा। शेयर बाजार को दी जानकारी में बैंक ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल में 10 रुपए अंकित मूल्य के 2,15,00,000 शेयर बेचने की मंजूरी दे दी।

31 मार्च 2020 को यह कंपनी में 1.5 फीसदी की शेयर पूंजी के बराबर हैं। इस बिक्री के बाद कंपनी में बैंक की हिस्सेदारी करीब 51.4 फीसदी रह जाएगी। आईसीआईसीआई बैंक का शेयर हरे निशान पर बंद हुआ। इसमें 1.11 फीसदी यानी 4.05 अंकों की तेजी आई और यह 367.85 के स्तर पर पहुंच गया। जबकि शुरुआती कारोबार में यह 367 के स्तर पर खुला था और पिछले कारोबारी दिन 363.80 के स्तर पर बंद हुआ था।

सोने की कीमतों में लगी आग, रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचे दाम

बिजनेस डेस्क।

कोरोना वायरस के संकट के बीच सोने ने कीमतों के मामले में नया रिकॉर्ड बनाया है। घरेलू बाजार में 24 कैरेट गोल्ड ने प्रति 10 ग्राम 48,300 रुपए का नया रिकॉर्ड बनाया है। निवेशक कोरोना संकट के इस दौर में गोल्ड को ही निवेश का सबसे सुरक्षित साधन मान रहे हैं। सोने के साथ चांदी में भी तेजी देखने को मिली है। चांदी में प्रति किलोग्राम पर 500 रुपए से ज्यादा का उछाल दर्ज किया गया है। इस तेजी के साथ चांदी के दाम 49,000 प्रति किलोग्राम के पार चले गए हैं। इंडिया बुलियन ऐंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक 24 कैरेट गोल्ड ने प्रति 10 ग्राम 48,300 रुपए का नया रिकॉर्ड बनाया है। 23 कैरेट सोने का भाव भी 645 रुपए बढ़कर 48107 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया है। 22 कैरेट सोने का मूल्य अब 593 रुपए तेज होकर 44243 रुपए और 18 कैरेट का 36,225 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय हाजिर बाजार में सोना 0.5 फीसदी उछलकर 1751.63 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गया। इसके पहले सोने ने रिकॉर्ड ऊंचाई 18 मई को हासिल की थी। इसी तरह अमेरिकी वायदा बाजार में सोना 1,764.50 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड लेवल पर पहुंच गया। भारत-चीन तनाव और हांगकांग के माहौल का भी अंतरराष्ट्रीय कमोडिटी बाजारों पर असर पड़ा है।

असल में जब-जब दुनिया में आर्थिक संकट गहराया है, सोने ने अपनी चमक बिखेरी है, दरअसल, कीमत में बढ़ोतरी के साथ-साथ सोने में निवेश का दायरा बढ़ता जा रहा है। कोरोना संकट की वजह से सोने में निवेश को सुरक्षित विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है।

भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, व्यापार संबंधों की मजबूती को उठा रहे हैं कदम : ऑस्ट्रेलियाई मंत्री

मेलबर्न।

भारत को एक 'जटिल बाजार लेकिन 'तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था करार देते हुए ऑस्ट्रेलिया के व्यापार मंत्री सिमोन बर्मिंघम ने कहा कि सरकार भारत के साथ व्यापारिक और निवेश संबंधों को और गहरा बनाने के लिए प्रयासरत है। वह इसके लिए एक रिपोर्ट की सिफारिशों को सक्रयता से लागू कर रही है। भारत ऑस्ट्रेलिया का आठवां सबसे बड़ा व्यापार सहयोगी है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के लिए यह पांचवा सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। वित्त वर्ष 2018-19 में दोनों देशों के बीच वस्तु एवं सेवा का दो तरफा व्यापार करीब 30.3 अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का रहा। बर्मिंघम ने कहा, '' भारत एक जटिल बाजार है। हालांकि, यह तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है जहां विभिन्न प्रकार के लोग हैं और बहुत सारे राज्य हैं। उन्होंने कहा, '' इसलिए हमने एक 'भारत आर्थिक रणनीति बनायी है। इसमें बहुत सी सिफारिशें की गई है और हम सक्रिय तौर पर उन्हें लागू कर रहे हैं ताकि भारत के साथ संबंधों को और गहरा किया जा सके। विशेषकर शिक्षा और कृषि क्षेत्र में नए अवसर बनाकर। बर्मिंघम ने कहा कि सरकार प्राकृतिक संसाधन क्षेत्र में भी भारत के साथ रिश्ते मजबूत करने पर ध्यान दे रही है। इसमें सिर्फ खनिज प्राकृतिक संसाधन भारत को बेचने की बात नहीं है। बल्कि ऑस्ट्रेलियाई कौशल और जानकारी का इस्तेमाल कर भारत में बढ़ रही खनन और इंजीनियरिंग सेवाओं का हिस्सा बनना भी शामिल है। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने 'भारत आर्थिक रणनीति 2018 में जारी की थी। इसमें भारत के साथ 2035 तक आर्थिक रिश्तों में आमूलचूल बदलाव लाने का लक्ष्य रखा गया है। आर्थिक रिश्तों में आमूलचूल बदलाव लाने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें विभिन्न तरह की 90 सिफारिशें की गई हैं जो मुख्य 10 क्षेत्रों पर जोर देती हैं। ये क्षेत्र कृषि उद्यम, प्राकृतिक संसाधन, पर्यटन, ऊर्जा, स्वास्थ्य, वित्तीय सेवा, अवसंरचना, खेल, विज्ञान और नवोन्मेष इत्यादि हैं। व्यापार अवसर बढ़ाने के लिए भारत के 10 राज्यों महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, पंजाब, दिल्ली-एनसीआर और उत्तर प्रदेश का चुनाव किया गया है।

निर्यात में सुधार, जून में अभी तक करीब 10-12 प्रतिशत की गिरावट: गोयल

नयी दिल्ली।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सोमवार को कहा कि भारत के निर्यात में सुधार के संकेत मिल रहे हैं और जून में अब तक निर्यात में सालाना आधार पर लगभग 10-12 प्रतिशत की गिरावट है, जबकि अप्रैल में यह आंकड़ा 60 प्रतिशत था। भारत का निर्यात लगातार तीसरे महीने गिरावट के साथ मई में 19.05 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 36.47 प्रतिशत कम है । गोयल ने सीआईआई के कार्यक्रम में कहा, ''इस समय हम जून में लगभग 10-12 प्रतिशत पीछे हैं। इसलिए एक मायने में हम चालू महीने के पहले दो सप्ताह के दौरान जून 2019 के निर्यात स्तर के मुकाबले 88-90 प्रतिशत तक पहुंच चुके हैं। मैं तीसरे सप्ताह (जून के) के आंकड़ों का इंतजार कर रहा हूं।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार का जोर टिकाऊ विकास पर है। उन्होंने कहा कि सब्सिडी कारोबार के लिए कभी अच्छी नहीं होती है और घरेलू निर्यातकों को पूरी ताकत के साथ दुनिया से जोड़ने में मदद नहीं करती है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि लगभग सभी क्षेत्र विदेशी निवेशकों के लिए खुले हैं, लेकिन मंत्रालय अन्य विचारों पर विचार करने के लिए भी तैयार है।

उन्होंने कहा, ''मल्टी ब्रांड रिटेल में हमारे पास कुछ अड़चनें हैं क्योंकि भारतीयों का एक बड़ा हिस्सा छोटे किराना दुकानों पर निर्भर है।'' उन्होंने कहा कि इन दुकानों ने जरूरी सामान की आपूर्ति जारी रखी है उन्होंने कहा कि इन दुकानों ने जरूरी सामान की आपूर्ति जारी रखी है और कोरोना वायरस महामारी के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गोयल ने कहा, ''बीमा क्षेत्र में हमारी बीमा कंपनियों से अपेक्षाएं कहीं अधिक थीं, लेकिन हमें दुख की बात है कि हम निराश महसूस करते हैं।

इसलिए कुछ ऐसे क्षेत्र हैं, जहां हम चाहेंगे कि आप हमें सुझाव दें।'' उन्होंने कहा कि एफडीआई का स्वागत है, लेकिन हमें सावधान रहना होगा कि गलत तरह की पूंजी न आ जाए जो अवसरवादी हो और जो वास्तव में देश के लिए अच्छी न हो।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कैंसर से पीड़ित भारतीय निशानेबाज पूर्णिमा का निधन

नयी दिल्ली। कैंसर से पीड़ित पूर्व भारतीय निशानेबाज पूर्णिमा जनेन का निधन हो गया है जिसके बाद ओलंपिक चैंपियन अभिनव बिंद्रा सहित देश के निशानेबाजी जगत ने उनके असमय निधन पर शोक जताया है। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) से लाइसेंस धारक कोच पूर्णिमा पिछले दो साल से कैंसर से पीड़ित थी और उनका उपचार चल रहा था। पूर्व भारतीय निशानेबाजी जॉयदीप करमाकर के अनुसार उपचार के बाद वे इस बीमारी से लगभग उबर गई थीं। पूर्णिमा ने कई आईएसएसएफ विश्व कप, एशियाई चैंपियनशिप और राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप के अलावा अन्य टूर्नामेंटों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। दस मीटर एयर राइफल में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक पूर्णिमा कोचिंग से जुड़ी और महाराष्ट्र सरकार ने उन्हें शिव छत्रपति खेल पुरस्कार से सम्मानित किया। दो साल पहले केरल में राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान कैंसर से पीड़ित पाई गईं पूर्णिमा ने अपने करियर की शुरुआत मुंबई में की लेकिन फिर पुणे चली गईं। उनका जन्म नांदेड़ में हुआ था। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने उनके निधन पर शोक जताया है। एनआरएआई ने बयान में कहा, ''भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ अपनी अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज और कोच पूर्णिमा जनेन के काफी कम उम्र में असमय निधन पर शोक व्यक्त करता है। ''

बैडमिंटन

कोविड-19 महामारी के खिलाफ जंग जीतने में मदद कर सकते हैं खेलः पीवी सिंधु

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ओलंपिक रजत पदक विजेता स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू का मानना है कि टीके की गैरमौजूदगी में कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ लड़ाई जीतने में खेल मदद कर सकते हैं और ऐसे में सोमवार को उन्होंने सभी लोगों से अपील की कि वे शारीरिक गतिविधि को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। इस वायरस से दुनिया भर में 85 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं जबकि चार लाख 50 हजार से अधिक लोगों की जान गई है। फिक्की द्वारा 22 से 26 जून तक आयोजित आनलाइन प्रदर्शनी और सम्मेलन 'वर्चुअल हेल्थकेयर एंड हाइजीन एक्सपो 2020 के उद्घाटन के दौरान सिंधू ने कहा, 'मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली बरकरार रखने के लिए खेल और अन्य शारीरिक गतिविधियां काफी महत्वपूर्ण हैं और अब तक इसका कोई टीका या उपचार नहीं है तो ऐसे में खेल इस लड़ाई को जीतने में मदद कर सकते हैं। भारत में चार लाख 25 हजार से अधिक लोग इस वायरस से संक्रमित हुए हैं जबकि लगभग 13 हजार सात सौ लोगों की जान जा चुकी है। सिंधु ने आगे कहा, 'डब्ल्यूएचओ सिफारिश करता है कि एक वयस्क को हृदय रोग, मधुमेय, उच्च रक्तचाप, कैंसर और अवसाद जैसे रोगों के खतरे से बचने के लिए हफ्ते में कम से कम 300 मिनट शारीरिक गतिविधि करनी चाहिए और इस महामारी के दौरान यह अधिक प्रासंगिक है। इस महामारी को फैलने से रोकने के लिए जारी लॉकडाउन के कारण सिंधू सहित शीर्ष भारतीय खिलाड़ी तीन महीने से अधिक समय से अपने घरों में हैं। देश के कुछ हिस्सों में कुछ खिलाड़ियों ने ट्रेनिंग शुरू कर दी है जबकि हैदराबाद स्थित बैडमिंटन खिलाड़ियों को तेलंगाना सरकार के राज्य में लॉकडाउन हटाने का इंतजार है।

ग्रिगोर दिमित्रोव और बोर्ना कोरिच कोविड-19 से संक्रमित, प्रदर्शनी प्रतियोगिता रद्द

वाशिंगटन (एजेंसी)।

शीर्ष टेनिस खिलाड़ी ग्रिगोर दिमित्रोव और शनिवार को उनके खिलाफ मैच खेलने वाले बोर्ना कोरिच को कोविड-19 से संक्रमित पाया गया है जिससे क्रोएशिया में चल रही प्रदर्शनी प्रतियोगिता रद्द कर दी गई है। इस प्रतियोगिता के फाइनल में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को भी खेलना था। विश्व रैंकिंग में 19वें नंबर के खिलाड़ी और तीन बार ग्रैंडस्लैम सेमीफाइनल में पहुंचने वाले दिमित्रोव ने रविवार को घोषणा की थी कि उन्हें कोरोना वायरस के परीक्षण में पॉजिटिव पाया गया है। कोरिच ने कहा, 'मैं आपको सूचित करना चाहता हूं कि

कोविड-19 के लिए मेरा परीक्षण पॉजीटिव आया है।

कृपया पिछले कुछ दिनों में जो भी मेरे संपर्क में रहा है अपना परीक्षण करवा लें। मैं स्वस्थ हूं और मुझे किसी तरह के लक्षण नजर नहीं आ रहे हैं। इससे पहले दिमित्रोव ने इंस्टाग्राम पर कोविड-19 से संक्रमित होने की घोषणा की थी।

उन्होंने कहा कि वह अपनी स्थिति इसलिए सार्वजनिक कर रहे हैं क्योंकि वह चाहते हैं कि पिछले दिनों में जो भी उनके संपर्क में आया वह अपना परीक्षण करवाये। दिमित्रोव ने लिखा, 'मेरे कारण जो भी नुकसान पहुंच सकता है उसके लिये मुझे खेद है।

कोविड योद्धा की भूमिका निभा रहे हैं मुंबई क्रिकेट संघ के स्कोरर जोशी

मुंबई। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के 55 वर्षीय स्कोरर दीपक जोशी इन दिनों विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ियों के चौकों और छक्कों का हिसाब रखने के बजाय कोरोना वायरस योद्धा के रूप में अपनी भूमिका बखूबी निभा रहे हैं । जोशी दक्षिण मुंबई के एक अस्पताल में पिछले 28 वर्षों से मेडिकल टेक्नोलॉजिस्ट के पद पर कार्यरत हैं और अभी उनका काम कोविड-19 के संदिग्ध सभी मरीजों का एक्सरे करना है। जोशी विरार में रहते हैं जो कि मुंबई का उपनगरीय इलाका है। वह 24 मई से काम पर लौट आये थे। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, ''मैं 24 जुलाई को तीन बसों और तीन घंटे से अधिक समय तक यात्रा करने के बाद अपने अस्पताल पहुंचा और तब से पूरे मनोयोग से अपना काम कर रहा हूं। मुझे हर दिन आठ घंटे काम करना पड़ता है और इस बीच मैं कोविड-19 के 15 से 20 संदिग्ध मरीजों को देखता हूं। मैं उनकी छाती का एक्सरे करता हूं। ''मुंबई क्रिकेट संघ के आधिकारिक स्कोरर के तौर पर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर के कुल 328 मैचों में स्कोरिंग कर चुके जोशी पिछले लगभग एक महीने से अपने घर नहीं गये हैं। उन्होंने कहा, ''मैं 24 मई के बाद अपने घर नहीं गया। अस्पताल ने मुझे ठहरने के लिये जगह उपलब्ध करायी है और मैं वहीं रहता हूं। मैं इसके लिये होटल प्रबंधन का आभारी हूं। '' जोशी ने कहा, ''मेरी पत्नी और बेटियां मेरी सुरक्षा को लेकर चिंतित रहती है लेकिन तब भी वे मुझे काम जारी रखने के लिये प्रोत्साहित करती है। वे चाहती हैं कि मैं अपनी सुरक्षा के लिये जरूरी उपाय करूं। उनका सहयोग मेरे लिये काफी मायने रखता है। ''उन्हें खुशी है कि मुंबई क्रिकेट संघ ने उनके काम की प्रशंसा की।

द्रविड़ को कप्तानी के लिए पर्याप्त श्रेय नहीं मिला, उन्होंने दूसरों से ज्यादा प्रभाव छोड़ाः गंभीर

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कहा कि महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ देश के सबसे ' कमतर आंके' गये पूर्व कप्तान में से एक हैं। उन्होंने कहा द्रविड़ का योगदान मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर की तरह है लेकिन उन्हें प्रयाप्त श्रेय नहीं मिला। द्रविड़ ने भारत के लिए 79 एकदिवसीय मैचों कप्तानी की जिसमें से टीम को 42 में जीत मिली इसमें लगातार 14 मैच जीतने का रिकार्ड भी उनके नाम है। सैंतालिस साल के द्रविड़ की कप्तानी में भारत ने वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश और इंग्लैंड में टेस्ट श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया। गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम 'क्रिकेट कनेक्टेड' में कहा, '' यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम राहुल द्रविड़ को उनकी कप्तानी का प्रर्याप्त श्रेय नहीं देते। हम केवल सौरव गांगुली, एमएस धोनी के बारे में बात करते हैं, अब हम विराट कोहली के बारे में बात करते हैं, लेकिन राहुल द्रविड़ भारत के लिए एक शानदार कप्तान रहे हैं।'' भारत के लिए 164 टेस्ट में 13288 रन और 344 एकदिवसीय में 10889 रन बनाने वाले इस शानदार बल्लेबाज के बारे में गंभीर ने कहा, '' यहां तक कि उनके रिकॉर्ड भी शानदार है। क्रिकेटर के तौर पर उनके योगदान को कम आंका गया और कप्तान के तौर पर भी शायद वह सबसे कम आंके गये खिलाड़ी है। हमने उनकी कप्तानी में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज में जीत हासिल की, हम लगातार 14 या 15 मैचों में जीत हासिल करने में सफल रहे थे।'' द्रविड 2016 से 2019 तक भारत के अंडर -19 और ए टीमों के लिए मुख्य कोच थे और अब वह बेंगलुरू स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में

क्रिकेट संचालन के निदेशक हैं। विश्व कप (2011) और टी20 विश्व कप (2007) जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे गंभीर ने कहा कि भारतीय क्रिकेट पर द्रविड का प्रभाव तेंदुलकर और गांगुली से ज्यादा है। उन्होंने कहा, '' मेरा मानना है कि उनका प्रभाव काफी ज्यादा रहा है। सौरव गांगुली ने हमेशा अपनी आक्रामक पारी की वजह से एकदिवसीय क्रिकेट में बड़ा प्रभाव डाला, लेकिन भारतीय क्रिकेट में राहुल द्रविड़ का प्रभाव शायद किसी से भी ज्यादा है।'' उन्होंने कहा , ''आप वास्तव में सचिन तेंदुलकर जैसे किसी खिलाड़ी के साथ उनके प्रभाव की तुलना कर सकते हैं । उनका पूरा करियर सचिन तेंदुलकर की आभा में दब गया लेकिन प्रभाव शायद उतना ही रहा। बल्लेबाज के अलावा द्रविड़ बेहतरीन क्षेत्ररक्षक और विकेटकीपर भी थे। उन्होंने विकेटकीपर के तौर पर 1999 से 2004 तक 73 मैचों में 85 बल्लेबाजों को आउट किया।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने जताया 7 फुट लंबे क्रिकेटर की मौत पर दुख, खिलाड़ी बोला- मैं जिंदा हूं अभी

स्पोर्ट्स डेस्क। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को पाक क्रिकेटर मोहम्मद इरफान की मौत की खबर सोशल मीडिया पर आकर फैंस के साथ साझी की। जिसके बाद फैंस में इस बात को लेकर हडकंप मचा गया कि इरफान का कार एक्सीडेंट में मौत हो गई और वह अब इस दुनिया में नहीं रहे। ऐसे में 7 फुट लंबे क्रिकेटर ने सामने आकर सबको पूरी सच्चाई बताई। दरअसल, इरफान ने अपने ट्विटर अकाउंट से ट्वीट करते हुए लिखा, सोशल मीडिया आउटलेट्स पर यह आधारहीन खबर फैल रही है कि एक कार दुर्घटना में मेरी मौत हो गई है। इसने मेरे परिवार और दोस्तों को काफी परेशान कर दिया, और मुझे इसे लेकर लगातार कॉल्स आ रहे हैं। कृपया इन चीजों से दूर रहें और कोई दुर्घटना नहीं हुई हम सुरक्षित हैं। हालांकि पीसीबी हमारे राष्ट्रीय बधिर टीम के पूर्व सदस्य मोहम्मद इरफान के निधन पर शोकित है, जिन्होंने 12 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं। हमारे विचार और प्रार्थनाएं उसके दोस्तों और परिवार के साथ हैं। बता दें कि मोहम्मद इरफान ने अपने करियर में 4 टेस्ट और 60 वनडे मैच खेले हैं, इसके अलावा 22 टी-20 इंटरनेशनल मैच भी पाकिस्तान की ओर खेलने में अबतक सफल रहे हैं। इरफान के नाम अबतक वनडे में 83 विकेट, टेस्ट में 10 विकेट और टी-20 इंटरनेशनल में 16 विकेट दर्ज है।

महामारी के बीच पाकिस्तान का इंग्लैंड दौरा 'बड़ा खतरा': पीसीबी चिकित्सक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के दौरान टीम का इंग्लैंड दौरा एक 'बड़ा जोखिम' है लेकिन देश को संकट से बाहर निकालने में मदद के नजरिये से यह जरूरी है। पीसीबी के चिकित्सा और खेल विज्ञान के महानिदेशक डा. सोहेल सलीम ने कहा, '' महामारी के दौरान यह (दौरा) एक बड़ा जोखिम है।' उन्होंने कहा, '' हमने ऐसा अनुभव (महामारी के दौरान खेलना) नहीं किया है, लेकिन दोनों टीमों के लिए यह नया अनुभव होगा। महामारी का मतलब ही खतरा होता है, लेकिन उन्हें (खिलाड़ियों) लोगों का मनोरंजन कराने वाला माना जाता है।'' सलीम ने कहा कि यूरोप में फुटबॉल शुरू होने से उन्हें प्रोत्साहन मिला, जहां जर्मनी में बुंदेसलीगा और इंग्लैंड में प्रीमियर लीग के मैचों को खाली स्टेडियमों में खेला जा रहा। उन्होंने कहा, ''फुटबॉल मैच के दौरान प्रशंसक नहीं रह रहे है और क्रिकेट स्टेडियमों में भी दर्शक नहीं होंगे'' उन्होंने कहा, '' घर बैठे लोगों की चिंता का स्तर बढ़ रहा है, लेकिन क्रिकेट इसे कम कर सकता है।'' पाकिस्तान की टीम रविवार को इंग्लैंड रवाना होगी, जहां उसे अगस्त-सितंबर में तीन टेस्ट और तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय खेलना है। पीसीबी इस दौरे के लिए 29 खिलाड़ियों के दल को भेज रहा है ताकि कोरोना वायरस के चपेट में किसी के आने बाद उसके जगह दूसरे को टीम में शामिल किया जा सके। सभी 29 खिलाड़ियों का यहां से लंदन रवाना होने से पहले दो बार कोविड-19 जांच होगा।

शमी की विश्व कप हैट्रिक का एक साल पूरा, आखिरी ओवर में पलट दिया था पासा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने आज ही के दिन ठीक एक साल पहले 2019 क्रिकेट विश्व कप के दौरान भारतीय टीम को आखिरी ओवर में जीत दिलाई थी। अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए मैच में अफगानिस्तान की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए तेजी से भारतीय स्कोर की ओर बढ़ रही थी। तभी आखिर ओवर में शमी आए और हैट्रिक लेकर अफगानिस्तान का डिब्बा गोल कर दिया। शमी इसी के साथ भारत के दूसरे ऐसे गेंदबाज बन गए जिन्होंने विश्व कप में हैट्रिक ली हो। आइए जानते हैं- शमी की उस यादगार पारी के बारे में पहली गेंद ¬ शमी की यॉर्कर गेंद सही से नहीं पड़ी और नबी ने स्ट्रेट में लॉन्ग ऑन की तरफ चौका जड़ दिया। (अफगानिस्तान : 12 रन) दूसरी गेंद : शमी की सीधी गेंद जिसे नबी ने मिड-विकेट की तरफ खेला लेकिन रन नहीं भागे। (अफगानिस्तान : 12 रन) । तीसरी गेंद : शमी की यॉर्कर गेंद पर नबी ने लॉन्ग ऑन के ऊपर से छक्का मारने की कोशिश की लेकिन हार्दिक पांड्या के हाथ में कैच दे बैठे (अफगानिस्तान : 12 रन) चौथी गेंद : नबी की जगह लेने आए आफताब आलम और फिर शमी ने उन्हें भी स्टीक यॉर्कर गेंद डाली और आफताब आलम की गिल्लियां बिखर गई (अफगानिस्तान : 12 रन) पांचवीं गेंद : आफताब के आऊट होने के बाद अफगानी स्पिनर मुजीब बल्लेबाजी पर आए। शमी ने इस बार फिर से तेज गति के साथ यॉर्कर गेंद डाली और मुजीब की भी गिल्लियां बिखेर दी। इसी के साथ मोहम्मद शमी ने 12वें वर्ल्ड कप का पहला हैट्रिक अपने नाम करने के साथ ही वर्ल्ड कप इतिहास में हैट्रिक लेने वाले दूसरे भारतीय और नौंवे खिलाड़ी बन बनने का कीर्तिमान भी बना गए।

द्रविड़ को कप्तानी के लिए पर्याप्त श्रेय नहीं मिला, उन्होंने दूसरों से ज्यादा प्रभाव छोड़ाः गंभीर

नयी दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कहा कि महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ देश के सबसे ' कमतर आंके' गये पूर्व कप्तान में से एक हैं। उन्होंने कहा द्रविड़ का योगदान मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर की तरह है लेकिन उन्हें प्रयाप्त श्रेय नहीं मिला। द्रविड़ ने भारत के लिए 79 एकदिवसीय मैचों कप्तानी की जिसमें से टीम को 42 में जीत मिली इसमें लगातार 14 मैच जीतने का रिकार्ड भी उनके नाम है। सैंतालिस साल के द्रविड़ की कप्तानी में भारत ने वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश और इंग्लैंड में टेस्ट श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया। गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम 'क्रिकेट कनेक्टेड' में कहा, '' यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम राहुल द्रविड़ को उनकी कप्तानी का प्रर्याप्त श्रेय नहीं देते। हम केवल सौरव गांगुली, एमएस धोनी के बारे में बात करते हैं, अब हम विराट कोहली के बारे में बात करते हैं, लेकिन राहुल द्रविड़ भारत के लिए एक शानदार कप्तान रहे हैं।' भारत के लिए 164 टेस्ट में 13288 रन और 344 एकदिवसीय में 10889 रन बनाने वाले इस शानदार बल्लेबाज के बारे में गंभीर ने कहा, '' यहां तक कि उनके रिकॉर्ड भी शानदार है। क्रिकेटर के तौर पर उनके योगदान को कम आंका गया और कप्तान के तौर पर भी शायद वह सबसे कम आंके गये खिलाड़ी है। हमने उनकी कप्तानी में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज में जीत हासिल की, हम लगातार 14 या 15 मैचों में जीत हासिल करने में सफल रहे थे।'' द्रविड 2016 से 2019 तक भारत के अंडर -19 और ए टीमों के लिए मुख्य कोच थे और अब वह बेंगलुरू स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में क्रिकेट संचालन के निदेशक हैं। विश्व कप (2011) और टी20 विश्व कप (2007) जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे गंभीर ने कहा कि भारतीय क्रिकेट पर द्रविड का प्रभाव तेंदुलकर और गांगुली से ज्यादा है। उन्होंने कहा, '' मेरा मानना है कि उनका प्रभाव काफी ज्यादा रहा है। सौरव गांगुली ने हमेशा अपनी आक्रामक पारी की वजह से एकदिवसीय क्रिकेट में बड़ा प्रभाव डाला, लेकिन भारतीय क्रिकेट में राहुल द्रविड़ का प्रभाव शायद किसी से भी ज्यादा है।'' उन्होंने कहा , ''आप वास्तव में सचिन तेंदुलकर जैसे किसी खिलाड़ी के साथ उनके प्रभाव की तुलना कर सकते हैं ।

तीसरा फीडे महिला स्विस टूर्नामेंट - भारत की हरिका द्रोणावल्ली पहुंची महिला स्पीड ग्रां प्री

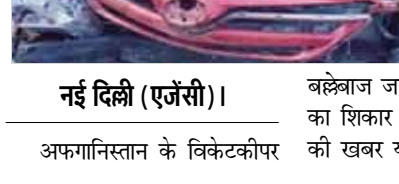

मॉस्को । भारत की नंबर 2 महिला खिलाड़ी हरिका द्रोणावल्ली आखिरकार अपने तीसरे प्रयास मे फीडे महिला स्पीड शतरंज के तीसरे पड़ाव मतलब ग्रां प्री के जगह बनाने मे कामयाब हो गयी है । पहले दो मुक़ाबले मे बेरंग नजर आई हरिका तीसरे दिन जैसे चयन होने की मंशा से ही खेलती नजर आई । पहले दो दिन के टूर्नामेंट क्रमशः 5+1 और 3+1 मिनट के हुए थे जबकि आज बुलेट शतरंज मतलब 1+1 मिनट के मुक़ाबले मे हरिका नें पहले तो शीर्ष 8 मे जगह बनाई उनके अलावा उक्रेन की नतालिया ज्हुखोवा ,पेरी की कोरी देसी ,रूस की गुनिना वालेंटीना ,जॉर्जिया की नाना दगनिडजे और निनों खोमेरकी ,रूस की अलिना काशलिन्सकाया और अजरबैजान की गुनय मममदजड़ा भी प्ले ऑफ मे जगह बनाने मे कामयाब रही । प्ले ऑफ मुक़ाबले मे हरिका नें पहले रूस की गुनिना वालेंटीना को 2-0 से मात देते हुए शीर्ष चार मे जगह बनाई और उसके बाद रूस की ही अलिना काशलिन्सकाया को 2-0 से हराकर ग्रां प्री मे पहुँचने वाली पहली भारतीय बन गयी है । वहीं अजरबैजान की गुनय मममदजड़ा नें पहले उक्रेन की नतालिया ज्हुखोवा को 2-0 से और फिर जॉर्जिया की नाना दगनिडजे को मात देते हुए ग्रां प्री मे प्रवेश कर लिया ।

अफगानिस्तान क्रिकेटर जजई हुआ भयंकर कार हादसे का शिकार, टीम इंडिया के खिलाफ किया था डैब्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अफगानिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज जजई भयंकर कार हादसे का शिकार हो गए। हालांकि राहत की खबर यह रही कि उन्हें ज्यादा चोटें नहीं आईं। घटनाक्रम के बारे में अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के मीडिया मैनेजर मोहम्मद इब्राहिम ने सोशल मीडिया के जरिए बताया। इब्राहिम ने सोशल मीडिया पर जख्मी जजई और बुरी तरह क्षतिग्रस्त कार की फोटोज डाली थीं। जजई के सिर पर पट्टी बंधी हुई दिखती है जबकि लाल रंग की कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त। इब्राहिम ने अपने ट्विट में लिखा है- नैशनल क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज असफर जजई कार हादसे में बच गए हैं। उनके सिर पर चोट आई हैं जबकि कार सबसे ज्यादा क्षतिग्रस्त हुई है। अल्ला आपको जल्द स्वस्थ करें। असफर जजई को पहली बार अफगानिस्तान की टीम में जगह क्रिकेट विश्व कप के दौरान मिली थी। असफर जजई को पहली बार अफगानिस्तान की टीम में जगह क्रिकेट विश्व कप के दौरान मिली थी। दरअसल, मोहम्मद शहजाद के विवाद में फंसने के बाद उन्हें अफगानिस्तानी टीम से बाहर कर दिया गया था। उनकी जगह जजई ने ली थी। अफसर 2018 की उस अफगानिस्तान टेस्ट टीम में भी थे जिसने भारत के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच खेला था। आईसीसी से टेस्ट क्रिकेट खेलने की मिली अनुमति के बाद जजई उस टीम में शामिल थे जिसने भारत के खिलाफ जुलाई 2018 में एकमात्र टेस्ट खेला था।

रीयाल सोसिडाड को हराकर रीयाल मैड्रिड ला लिगा में शीर्ष पर

मैड्रिड।। सर्गियो रामोस और करीम बेंजेमा के दूसरे हाफ में किये गये गोल की मदद से रीयाल मैड्रिड ने रविवार को रीयाल सोसिडाड को 2-1 से हराकर स्पेनिश फुटबाल लीग ला लिगा में बार्सिलोना को पीछे छोड़कर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। स्पनिश लीग के फिर से शुरू होने के बाद यह पहला अवसर है जबकि रीयाल मैड्रिड शीर्ष पर पहुंचा है। उसके और बार्सिलोना के समान 30 मैचों में 65 अंक हैं लेकिन रीयाल की टीम बेहतर गोल अंतर के कारण शीर्ष पर पहुंच गई है। बार्सिलोना के खिलाफ भी रिकार्ड बेहतर है। बार्सिलोना को शुक्रवार को सेविला ने गोलरहित ड्रा पर रोका था जिसके कारण अब उसे अपना शीर्ष स्थान गंवाना पड़ा। रामोस ने 50वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदला जबकि बेंजेमा ने 70वें मिनट में टीम की तरफ से दूसरा गोल किया। सोसिडाड की तरफ से मिकेल मेरिनो ने 83वें मिनट में गोल करके हार का अंतर कम किया। कोरोना वायरस महामारी के कारण विश्राम से पहले मैड्रिड पिछले सात में से पांच दौर में बढ़त पर था लेकिन लीग के निलंबित होने से पहले बार्सिलोना शीर्ष पर पहुंच गया था। इस महामारी के कारण यह लीग तीन महीने से भी अधिक समय तक ठप्प रही। बार्सिलोना ने लीग की वापसी के बाद दो मैच जीतकर बढ़त बरकरार रखी थी। मौजूदा चैंपियन को अपना खिताब बरकरार रखने के लिये अब बाकी बचे आठ दौर में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। इस बीच सेल्टा विगो ने लीग की वापसी के बाद अपनी पहली जीत दर्ज की। उसने दस खिलाड़ियों के साथ खेल रही एल्वेस की टीम को 6-0 से रौंदा। राफिन्हा ने दो गोल दागे। उनके अलावा नोलिता, जैसन मुरिलो, इयागो अस्पास और सैंटी मिना ने गोल किये। वेलेंसिया ने भी ओसासुना को 2-0 से हराकर लीग की वापसी के बाद पहली जीत दर्ज की। उसकी तरफ से गोंचालो गुएडेस और रोड्रिगो ने गोल किये। वेलेंसिया अब आठवें स्थान पर है।

खाने का लुत्फ़ ले

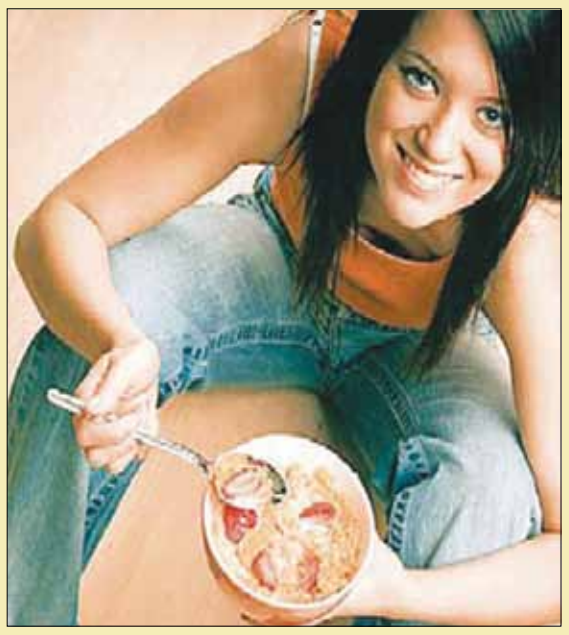

आमतौर पर हमें ऐसा भोजन खाना पसंद होता है, जो स्वादिष्ट हो और जिसे आसानी से चबाया जा सके। जो भोजन चबाने में आसान होता है, वह ज़्यादा मात्रा में खाया जाता है। जिस कारण ओवर ईटिंग हो जाती है और मोटापा बढ़ने की संभावना बढ़ जाती है। यदि भोजन का पूरा लुत्फ़ लें, तो भोजन सरलता से पच जाता है और शरीर को उसके लिए ज़रूरी पोषक तत्व भी मिल जाते हैं।

- उन पदार्थों का सेवन करना चाहिए, जो हमें चबाने के लिए मज़बूर करें। जैसे ब्रैड या चावल की बजाय गेहूं की रोटी।
- सब्ज़ियों को ज़्यादा न पकाएं। इससे उसके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं।
- भोजन की हरेक बाइट में लुत्फ़ उठाना चाहिए और अच्छी तरह चबाकर खाना चाहिए।
- खाने को ज़्यादा देर तक चबाने से आंतो को खाना पचाने में आसानी होती है।
- रिफाइंड फूड्स व ऑयल्स पचाने में मुश्किल होते हैं और डायजैस्टिव सिस्टम पर दबाव डालते हैं।
- रिफाइंड फूड्स एसक्रेटरी सिस्टम में लॉकेज करते हैं, जिससे कज़ हो जाती है।
- रिफाइंड फूड्स को पचाने में 48 घंटे लग जाते हैं, जबकि गेहूं के आटे से बनी चपाती सिर्फ़ 3-4 घंटे में पच जाती है।
- ज़्यादा खाने से भोजन पूरी तरह पचता नहीं, जिससे पाचन क्रिया का समय बढ़ जाता है। शरीर में टॉक्सिक वेस्ट बनना शुरू हो जाता है, जिससे कई बीमारियां हो सकती हैं।
- भोजन भूख के मुताबिक़ खाना चाहिए, नाकि जीभ के स्वाद के अनुसार।

गर्मी बढ़ा सकती है माइग्रेन का दर्द!

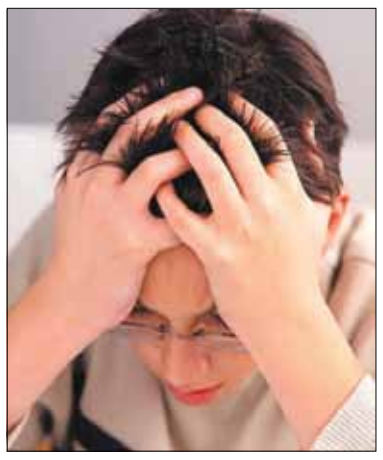

नए शोधों से इस बात की पुष्टि हुई है कि गर्म मौसम, लोगों में माइग्रेन के दर्द के साथ ही सिर के कई अन्य प्रकार के दर्द को बढ़ा सकता है। माइग्रेन से पीड़ित बहुत से लोग यह महसूस करते थे कि मौसम में बदलाव से उनका सिर का दर्द बढ़ जाता है, लेकिन वैज्ञानिक स्तर पर इस बात की पुष्टि नहीं हुई थी।

हालांकि कुछ शोधों में मौसम में बदलाव होने पर माइग्रेन के स्तर में उतार-चढ़ाव के बीच संभावित संबंधों के बारे में बताया गया था। बोस्टन में बेथ इस्राइल डिकोनेस मैडिकल सेंटर की अगुवाई में शोधकर्ताओं ने पाया है कि हवा के दबाव में परिवर्तन भयंकर पीड़ादायक सिरदर्द को बढ़ा सकता है। न्यूरोलॉजी जर्नल में यह रिपोर्ट प्रकाशित हुई है।

शोधकर्ताओं ने 7054 मरीज़ों का विश्लेषण किया, जो पिछले सात सालों के दौरान अस्पताल के एमरजेंसी विभाग में भयंकर सिरदर्द की शिकायत लेकर आए थे।

शोधकर्ताओं ने पाया कि यदि पिछले दिन के मुक़ाबले तापमान में पांच डिग्री सैल्सियस की बढ़ौतरी होती है, तो 24 घंटे के भीतर भयंकर सिरदर्द होने की संभावना 7.5 फ़ीसदी बढ़ जाती है। और यदि 72 घंटे के भीतर हवा का दबाव कम होता है, तो भी सिरदर्द में मामूली इज़ाफा हो सकता है।

मिर्गी न तो कोई दिमाग़ी बीमारी है और न ही इसके कारण व्यक्ति मंदबुद्धि होता है। मिर्गी से पीड़ित व्यक्ति भी सामान्य लोगों की तरह जीवन जी सकता है। यह लाइलाज नहीं, इसका मैडिसिन से ट्रीटमेंट हो सकता है...

मिर्गी लाइलाज नहीं

दक्षिण अफ्रीका के मशहूर क्रिकेट खिलाड़ी जौंटी रीहोड्स का नाम ज़हन में आते ही उनके आतिशी क्षेत्ररक्षण की यादें ताज़ा हो जाती हैं। अपने करिश्माई क्षेत्ररक्षण की बदौलत उन्होंने क्रिकेट में फील्डिंग के बारे में लोगों के सोचने के अंदाज़ को ही बदल दिया। क्रिकेटर जौंटी रीहोड्स की ज़िंदगी की कहानी का एक और पहलू भी है, जिसे बहुत कम लोग जानते हैं। जौंटी रीहोड्स 6 साल की उम्र से ही मिर्गी से पीड़ित थे।

26 जुलाई 1969 को दक्षिण अफ्रीका के कवाजुलू नेटाल प्रांत में जन्मे जोनापन नील रीहोड्स अपने भाइयों के साथ बचपन से ही क्रिकेट खेलते थे। मगर 6 साल की उम्र में उन्हें बेहोशी के दौरे पड़ने लगे। जब डॉक्टरों ने उनके पिता को बताया कि जौंटी को मिर्गी की बीमारी है, तो उनके पैरों तले ज़मीन ही खिसक गई।

उन दिनों मिर्गी के इलाज की बहुत कम दवाएं उपलब्ध थीं और मिर्गी का मतलब उनके क्रिकेट के कैरियर की समाप्ति था। भारतीय समाज की तरह ही दक्षिण अफ्रीकी समाज में भी मिर्गी के बारे में बहुत-सी ग़लत धारणाएं व्याप्त थीं, जैसे इन बच्चों को पढ़ाना नहीं चाहिए, क्योंकि ज़्यादा पढ़ने से दिमाग़ पर ज़ोर पड़ता है, जिससे मिर्गी का दौरा आ सकता है। इसी धारण के चलते जौंटी को स्कूल से हटा लिया गया।

चूंकि जौंटी स्कूल नहीं जाते थे, इसलिए वह सारा दिन क्रिकेट के मैदान पर ही बिताते थे। उनकी बीमारी के कारण ही उन्हें हमेशा बैटिंग करने से मना किया जाता और वह सारा दिन क्षेत्ररक्षण करते। शायद यही कारण था कि जौंटी रीहोड्स विश्व प्रसिद्ध क्षेत्ररक्षक बने।

बैकवर्ड प्वाइंट पर उनका क्षेत्ररक्षण बेमिसाल था। यहां तक कि आज भी किसी अच्छे क्षेत्ररक्षक की तुलना जौंटी रीहोड्स से ही की जाती है। जौंटी ने 6 से 21 वर्ष की उम्र तक मिर्गी के दौरे को रोकने की मैडिसिन लगातार खाई। इससे न तो उनके खेल कर कोई प्रभाव पड़ा और न ही इसका कोई गंभीर साइड इफैक्ट हुआ।

जौंटी रीहोड्स ने मिर्गी के दौरों के बावजूद ज़िंदगी की जंग में जीत हासिल की और बीमारी को कभी अपनी सफलता में बाधक नहीं बनने दिया।

मिर्गी क्या है?

हमारा मस्तिष्क करोड़ों कोशिकाओं से बना हुआ है, जो आपस में तरह-तरह से जुड़ी होती हैं। किन्हीं दो कोशिकाओं के बीच सिग्नल की भाषा रासायनिक तथा विद्युतीय होती है। कभी-कभी मस्तिष्क की कोशिकाएं अचानक अनुचित और बहुत अधिक मात्रा में विद्युतीय संदेश भेजने लगती हैं। इसके कारण शरीर की मांसपेशियों में झटके लगने लगते हैं, व्यक्ति कुछ मिनटों के लिए होश खो सकता है। इसे मिर्गी कहा जाता है।

ये हैं कारण

- जन्मजात या गर्भावस्था में पैदा हुई विकृति के कारण
- सिर में चोट लगने से
- दिमाग़ में संक्रमण
- शराब, अफीम, स्मैक इत्यादि के सेवन से
- दिमाग़ में रसौली के कारण
- अज्ञात कारण

प्रचलित मिथ

मिथः मिर्गी का रोगी पढ़ाई नहीं कर सकता।

फैटः मिर्गी से पीड़ित बच्चे स्कूल और कॉलेज की पढ़ाई अच्छी तरह कर सकते हैं और अन्य सामान्य बच्चों के बराबर पढ़ सकते हैं।

मिथः मिर्गी के रोगी की शादी नहीं हो सकती।

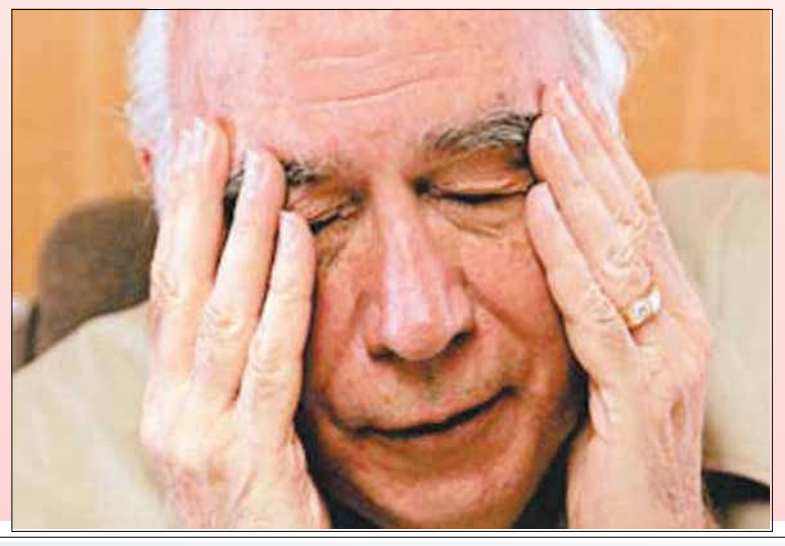

फैटः मिर्गी कोई छूत की बीमारी नहीं है। मिर्गी के रोगी शादी कर सकते हैं और सुखी दापत्य जीवन व्यतीत कर सकते हैं।

मिथः मिर्गी किसी-भूत प्रेत की निशानी है

फैटः मिर्गी कोई भूत-प्रेत की निशानी नहीं। यह एक बीमारी है, जिसे दवा से ठीक किया जा सकता है।

डॉक्टर की सलाह

मिर्गी के इलाज के दो पहलू हैं, पहला मिर्गी के कारण का इलाज और दूसरा मिर्गी के दौरों को रोकने की मैडिसिन। आजकल मिर्गी के दौरे को रोकने की बहुत-सी मैडिसिन उपलब्ध हैं, जो अत्यंत कारगर हैं और इनके साइड इफैक्ट्स भी बहुत कम हैं। ज़रूरत है सिर्फ़ सही मात्रा में सही दवा को लेने की और मिर्गी के कारण को पहचानने की।

ये भी थे मिर्गी से पीड़ित

मिर्गी की समस्या किसी को भी हो सकती है। मिर्गी के दौरों का दिमाग़ी बीमारी या मंदबुद्धि से कोई संबंध नहीं है, यह साबित हो चुका है, योंकि दुनिया में ऐसे बहुतसे लोग हैं जिन्होंने मिर्गी से पीड़ित होने के बावजूद ज़िंदगी में काफ़ी ऊंचा मुक़ाम हासिल किया। मिर्गी कभी उनके सफल व ख़ुशनुमा ज़िंदगी के रास्ते की रुकावट नहीं बनी। ऐसी ही कुछ विश्व प्रसिद्ध हस्तियां हैं: लियोनार्दो द विंची, हर यूलिस, सिकंदर महान, जूलियस सीज़र, नैपोलियन बोनापार्ट, मार्टिन लूथर, सेंट पॉल, अगाथा क्रिस्टी, अरस्तू, चार्ल्स डिकंस, लॉर्ड बायरन, एल्फ्रेड नॉबेल, पाइथागोरस, सर आइज़ेक न्यूटन इत्यादि।

कैंसर से बचाए कीवी

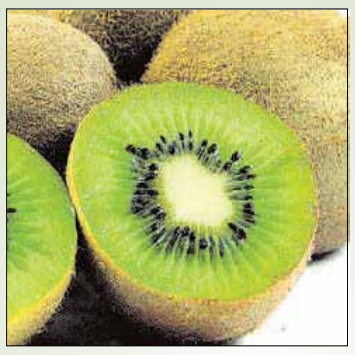

कीवी का स्वाद मीठा और केले, पाइनएप्पल और स्ट्रॉबेरी के मिसचर जैसा होता है। यह मूल रूप से चीन का फल है, जहां इसे 'मैकाक पीच' कहा जाता है।

कीवी में केले के बराबर पोटाशियम होता है। यह विटामिन ए और ई का बढ़िया स्रोत है। इसमें विटामिन सी और बीटा कैरोटिन काफ़ी ज़्यादा मात्रा में पाए जाते हैं। यह हमारे डीएनए को परिवर्तनों से बचाता है और इयून सिस्टम को बूस्ट करने में मदद करता है। इसके काले बीजों से कीवी फ्रूट ऑयल बनाया जाता है, जो अल्फा-लिनोलिक एसिड (ओमेगा फैटी एसिड) का रिच ज़रिया है। कीवी में लेवनॉयड्स एंटीऑक्सीडैंट्स हमारे सैल्स की ऑक्सीडेटिव डैमेज से सुरक्षा में मदद करते हैं।

विटामिन सी एंटीआक्सीडैंट है, जो फ्री रैडिकल्स से होने वाले नुक़सान से आर्टरीज़ की रक्षा करता है। इसलिए कीवी का नियमित सेवन करने से कार्डियोवैस्कुलर डिसीज़, कैंसर और ओबेसिटी समेत कई बीमारियों से बचाव हो सकता है। कई अध्ययनों से भी साबित हुआ है कि कीवी अस्थमा से पीड़ित बच्चों की कंडीशन इम्प्रूव करने में काफ़ी उपयोगी है।

चूंकि इसमें डाइट्री फाइबर की मात्रा बहुत ज़्यादा होती है, इसलिए यह कोलोन कैंसर की संभावना को कम करता है, शुगर लैवल कंट्रोल करता है और कोलेस्ट्रॉल का स्तर घटाता है। याद रखें, कुछ लोगों को कीवी फल से एलर्जी भी हो सकती है। इसके सबसे कॉमन लक्षण हैं: मुंह, तालू और होंठों में खुजली या बेचैनी होना, लेकिन कई बार एलर्जी इतनी ज़्यादा भी हो सकती है कि व्यक्ति बेहोश हो सकता है।

हाइपोग्लाइसिमिया

डायबिटीज़ के पेशंट्स में कई बार ब्लड शुगर लैवल काफ़ी कम हो जाता है। ख़ून में शुगर की कमी जानलेवा साबित हो सकती है। इसलिए जैसे ही इसके लक्षण दिखाई दें, तुरंत चीनी या ग्लूकोज़ का सेवन करें...

ग्लूकोज़ एक यूल है, जिसकी ज़रूरत शरीर व ब्रेन को सही ढंग से काम करने के लिए होती है। इसलिए ब्लड शुगर का सही लैवल मेनटेन रखना बहुत ज़रूरी है। ब्लड शुगर लैवल का ज़्यादा या कम होना, आपकी सेहत को नुक़सान पहुंचा सकता है। अगर डायबिटीज़ के पेशंट का ब्लड शुगर लैवल 50 मिलीग्राम/डीएल से कम हो जाए, तो इसे हाइपोग्लाइसिमिया कहते हैं। ख़ून में ग्लूकोज़ की सामान्य मात्रा कम से कम 70 मिलीग्राम/डीएल है। अगर समय पर हाइपोग्लाइसिमिया को ट्रीट नहीं किया जाए, तो जल्दी ही पेशंट की हालत बिगड़नी शुरू हो जाती है।

क्यों होता है?

- डायबिटीज़ की मैडिसिन की ओवरडोज़
- गलत टाइप की इंसुलिन या डायबिटीज़ की मैडिसिन लेने पर
- कुछ और दवाई लेने पर, जो डायबिटीज़ की मैडिसिन से इंटरैट करती है, इससे शुगर की दवा का असर बढ़ जाता है, जैसे लूज़ मोशंस व मलेरिया की मैडिसिन
- इंसुलिन या मैडिसिन की मात्रा ज़रूरत से ज़्यादा लेने या ग़लती से दो बार ले लेने पर
- इंसुलिन या मैडिसिन लेने के बाद भोजन न करना
- एल्कोहल का बहुत अधिक सेवन
- ज़रूरत से ज़्यादा फिज़िकल एग्ज़र्शन या एक्सरसाइज़
- बच्चों में अधिक खेलकूद।
- हार्मोन डैफिशिएंसी ख़ासकर एड्रेनल हार्मोन कोर्टिसॉल की कमी
- लिवर, किडनी या हार्ट फेल्यर
- सिवियर बक्टीरियल इंफैक्शन
- मलेरिया
- इंसुलिन को स्किन के नीचे (सब क्यूटेनियस) लगाने के बजाय नस में (इन्ट्रावीनस) लगाने पर

इसकी पहचान

आपके ख़ून में शुगर की मात्रा कितनी कम हुई है, इसके आधार पर आप इनमें से एक या अधिक लक्षण महसूस कर सकते हैं।

- खाने की तुरंत ज़रूरत (खोह पड़ना)
- कन्यूज़न व चक्कर आना
- नर्वस होना व हाथ-पैरों में कंपन
- बोलने में परेशानी होना
- बहुत ज़्यादा कमज़ोरी महसूस होना
- बेहोशी
- मिर्गी जैसा दौरा
- कई बार मरीज़ कोमा में भी पहुंच जाता है।

डॉक्टर की सलाह

यदि आप हाइपोग्लाइसिमिया के लक्षण महसूस कर रहे हों, तो ब्लड शुगर लैवल चैक करना महत्वपूर्ण है। अगर यह कम हो, तो कोई ऐसी चीज़ खाएं/पीएं, जिसमें क़रीब 20 ग्राम कार्बोहाइड्रेट हो। आप ग्लूकोज़ डालकर शरबत पी सकते हैं या तीन छोटे चमच चीनी खा सकते हैं।

हाइपोग्लाइसिमिया के सिपटस को इम्प्रूव होने में 1520 मिनट लगते हैं। जब आपकी ब्लड शुगर नॉर्मल हो जाए, तो फिर दोबारा यह कम न हो, इसके लिए पर्याप्त स्नैस या भोजन खाएं। इंसुलिन या कोई भी ऐसी मैडिसिन जो इंसुलिन की प्रॉड क्शन को बढ़ाती है, लेने से पहले ब्लड शुगर लैवल चैक करें।

बेहोश होने पर तुरंत डॉक्टर के पास ले जाएं। बेहोश मरीज़ को मुंह से कुछ भी न दें। अगर आपका ब्लड शुगर लैवल बार-बार कम होता हो, यह कभी इतना कम हो गया हो कि आपको अपनी केयर के लिए दूसरों की मदद लेनी पड़ी, तो तुरंत डॉटर से मिलें, वे आपकी ट्रीटमेंट रिव्यू करेंगे।

ऐसे करें बचाव

अगर आपको डायबिटीज़ है, तो हाइपोग्लाइसिमिया से बचने का सबसे बढ़िया उपाय यही है कि आप अपनी ब्लड शुगर रैग्युलर चैक करें। इसके कारण पर ही इसका बचाव निर्भर करता है। ट्रीटमेंट के लिए डॉटर की सलाह का पालन करें और उन्हें रैग्युलर विज़िट करें।

डॉ क्टर द्वारा बताए डाइट व ए क्सरसाइज़ प्लान का पालन करें, अचानक बहुत ज़्यादा एक्सरसाइज़ न करें। मैडिसिन शॉप से बग़ैर डॉक्टर की सलाह के डायबिटीज़ की मैडिसिन लेकर न खाएं। कोई भी भोजन मिस न करें। व्रत न रखे। अधिक समय तक भूखे न रहें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली में इस समय 7000 बेड खाली, कोरोना मरीजों को नहीं होगी कोई परेशानीः केजरीवाल

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि देश वर्तमान में चीन के साथ दो मोर्चों एक सीमा और दूसरा वहां के वायरस से लड़ाई लड़ रहा है और किसी को इस पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। केजरीवाल ने आज वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि पहला हमारे डॉक्टर्स चीन के वायरस के खिलाफ लड़ रहे है और दूसरा भारत के वीर जवान सीमा पर लड़ रहे है। हमारे 20 जवान सीमा की सुरक्षा करते वक्त पीछे नही हटे तो हम सब भी पीछे नहीं हटेंगे। दिल्ली में कोरोना वायरस से जंग लड़ने में केंद्र से मिल रहे सहयोग का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अब घर पर संक्रमण का उपचार करवा रहे मरीजों को सरकार ऑक्सीजन पल्स मीटर देगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में अब गंभीर कोरोना मरीज काफी कम हैं। बिना लक्षण वाले मरीज ज्यादा है जो घर पर रहकर ही ठीक हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अब हर मरीज़ को पल्स मीटर देने जा रही है। इससे मरीज खुद अपना ऑक्सीजन स्तर घर पर जांच सकेंगे। अगर उन्हें लगता है कि उनका ऑक्सीजन लेवल कम हो गया है तो वो तुरंत हेल्पलाइन नंबर पर कॉल कर सकते है, उनको तुरंत अस्पताल में भर्ती किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमने युद्धस्तर पर कोरोना बेड का इंतज़ाम किया है। दिल्ली में इस समय लगभग 7000 बेड खाली है। लोगों को चिंता करने की कोई जरुरत नहीं है। सरकार बेड की कमी बिल्कुल नहीं होने देंगी। केंद्र सरकार से मदद का जिक्र करते हुए केजरीवाल ने कहा आज दिल्ली में कोरोना के लगभग 25,000 सक्रिय मामले हैं। केंद्र सरकार से मदद का जिक्र करते हुए केजरीवाल ने कहा दिल्ली में कोरोना के लगभग 25,000 सकिक्रय मामले हैं। आज दिल्ली में कोरोना के लगभग 25,000 सकिक्रय मामले हैं। इसमें से अस्पतालों में 6,000 और होम आइसोलेशन में 12,000 लोग हैं। अच्छी खबर ये है कि एक हफ्ते में केवल 1,000 सक्रिय मामले बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि पहले दिल्ली में हर रोज 5000 टेस्ट हुआ करते थे और अब 18000 टेस्ट किये जा रहे है। देश में दिल्ली कोरोना मामलों में दूसरे स्थान पर है। यह कुल मामले 59747 हैं जबकि 2176 की मौत हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा पिछले दस दिन में कोरोना के 23 हजार मामले आए हैं। दिल्ली में कोरोना की रैपिड जांच शुरु हो गई है और रोजाना 18 हजार टेस्ट किये जा रहे हैं।

चीन के चक्रव्यूह में फंसा नेपाल! दर्द छुपाने के लिए भारत को दिखा रहा तेवर

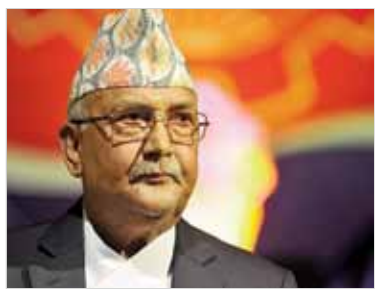

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

भारत का पड़ोसी मुल्क और पुराना दोस्त नेपाल पिछले कुछ दिनों से देश को आंख दिखा रहा है। यह बात किसी से छुपी नहीं है कि नेपाल ने चीन के इशारे पर ही एक छोटे से सीमा विवाद को बहुत बड़े झगड़े का रूप दे दिया है। शायद ही बहुत कम लोग यह बात जानते होंगे कि यह सब करना नेपाल की मजबूरी है। न्यूज 24 की रिपोर्ट के अनुसार चालबाज चीन ने नेपाल के उत्तरी गोरखा में रुई गांव पर किया कब्जा कर लिया है। नेपाली अखबार अन्नपूर्णा पोस्ट के मुताबिक रुई गांव वर्ष 2017 से तिब्बत के स्वायत्त क्षेत्र का हिस्सा हो गया है। इस गांव में अभी 72 घर हैं। रुई गांव के सीमा स्तंभों को अतिक्रमण को वैध बनाने के लिए हटा दिया गया है। हालांकि नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली नहीं चाहते कि यह बात दुनिया के सामने आए और इसे छुपाने के लिए ही उन्होंने भारत विरोधी क़दम उठाया है। बताया जा रहा है कि रुई गांव क्षेत्र अभी भी नेपाल के नक्शे में शामिल है, लेकिन वहां पर पूरी तरह से चीन का कब्जा है। कुछ जानकारों की माने तो नेपाल के कई और इलाके चीन की रडार पर हैं। चीन कभी भी दावा ठोंक सकता है ऐसे मे नेपाल सरकार चक्रव्यूह में फंस चुकी है और वहां से निकल पाना उसके लिए मुश्किल होता जा रहा है। नेपाली इतिहासकार धुंगेल ने इस सब के पीछे नेपाल सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहाकि भारत के साथ सीमा के मुद्दे सभी को दिखाई दे रहे हैं, लेकिन उत्तरी सीमा में तिब्बत की सीमा से लगे इलाके में नेपाल का हाल बहुत ही खराब है। चीन के साथ पींगे बढ़ा रही नेपाल सरकार अब इस पूरे मामले को लेकर बुरी तरह से फंसती नजर आ रही है।

केजरीवाल सरकार ने हाईकोर्ट में कहा- दहेज मर्डर केस के आरोपी भी अंतरिम जमानत पाने के योग्य

नेशनल डेस्क। आम आदमी पार्टी सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट को सोमवार को सूचित किया कि हाई पॉवर कमेटी ने निर्णय किया कि कोरोना के दौरान जेलों को खाली करने के क्रम में दहेज हत्या मामलों के आरोपी भी अंतरिम जमानत पाने के योग्य हैं। यह दलील मुख्य न्यायाधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति प्रतीक जालान की पीठ के समक्ष दी गई जो कोविड-19 के दौरान दहेज हत्या मामलों के आरोपियों को अंतरिम जमानत देने के अनुरोध वाली एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। दिल्ली सरकार के अतिरिक्त स्थायी वकील अनुज अग्रवाल ने अदालत को बताया कि न्यायमूर्ति हिमा कोहली की अध्यक्षता वाली उच्च शक्ति प्राप्त समिति ने 20 जून को हुई एक बैठक में तय किया कि दहेज हत्या के मामलों में दो साल से ज्यादा जेल काट चुके आरोपी 45 दिन की अंतरिम जमानत पाने के योग्य हैं। अग्रवाल ने पीठ को यह भी बताया कि ऐसे मामलों में आरोपी बनाए गए ससुराल पक्ष के उन लोगों को भी राहत दी जा सकती है जो एक साल से अधिक जेल में रह चुके हैं। दिल्ली सरकार के वकील की दलील पर गौर करते हुए पीठ ने कहा कि अधिवक्ता आलोक त्रिपाठी द्वारा याचिका में उठाई गई शिकायतों का निवारण होता है और याचिका का निपटान किया।

जम्मू-कश्मीर में गोलीबारी में ढोक रक्षा समिति का सदस्य घायल

भद्रवाह/ जम्मू । जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के एक दूरस्थ गांव में सोमवार को गोलीबारी में ढोक रक्षा समिति का एक सदस्य घायल हो गया। अनुविभागीय पुलिस अधिकारी(सीडीपीओ) आदिल रिशु ने बताया कि भद्रवाह से 16 किलोमीटर दूर झोमपारी दल में ढोक (झोपड़ी) पर अज्ञात लोगों द्वारा की गई गोलीबारी में दुग्गी-दंडी गांव के गोपाल नाथ (35) घायल हो गए। उन्होंने बताया कि उन्हें जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि नाथ और एक अन्य अधिकारी फिरोज दीन अपनी भेड़ों के साथ ढोक में मौजूद थे जब अज्ञात लोगों ने गोलीबारी कर दी। रिशु ने बताया कि पुलिस ने इलाके से 12-बोर की पिस्तौल भी बरामद की है। अधिकारी ने बताया कि प्राथमिक जांच में घटना में आतंकवादियों की कोई संलिप्तता नहीं दिखाई दे रही। आगे की जांच जारी है।

अब बिना आरोग्य सेतु ऐप के पायलट नहीं भर सकेंगे उड़ान, डीजीसीए ने बदले नियम

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने चालक दल के सदस्यों- पालयट और केबिन क्रू के लिए भी आरोग्य सेतु ऐप का इस्तेमाल अनिवार्य कर दिया है। महानिदेशालय ने 23 मार्च को विमान सेवा कंपनियों के लिए जारी अपने एक सकुर्लर में आज संशोधन किया है। इसमें एक नया पैरा जोड़ा गया है जिसके अनुसार चालक दल के सभी सदस्यों को आरोग्य सेतु ऐप डाउनलोड करने के लिए अनिवार्य रूप से कहा जाना चाहिये जिस पर वे अपनी स्वास्थ्य स्थिति की निरंतर निगरानी करेंगे। उल्लेखनीय है कि दो महीने के अंतराल के बाद 25 मई से घरेलू यात्री उड़ानें दुबारा शुरू होने पर यात्रियों के लिए आरोग्य सेतु ऐप का इस्तेमाल अनिवार्य किया गया है।

डीजीसीए ने यह भी कह कि चालक दल के किसी एक सदस्य के कोविड-19 संक्रमित पाये जाने पर सभी सदस्यों के लिए घर पर एकांतवास अनिवार्य नहीं होगा। सिर्फ जो सदस्य संक्रमित के सीधे संपर्क में आये हैं उनके लिए ही एकांतवास अनिवार्य होगा। अन्य सदस्यों के लिए विमान सेवा कंपनी के चिकित्सक जो सलाह देंगे उन्हें उनका पालन करना होगा। इससे पहले 23 मार्च को जारी सकुर्लर में चालक दल के किसी भी सदस्य के संक्रमित पाये जाने पर दल के सभी सदस्यों के लिए 14 दिन घर पर एकांतवास अनिवार्य किया गया था। इसके कारण एयरलाइंस के समक्ष कार्यबल की कमी की समस्या आ रही थी।

भूकंप ने मिजोरम में मचाई तबाही, मकान क्षतिग्रस्त और सड़कों पर पड़ीं दरारें

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

मिजोरम में सोमवार सुबह 5.3 तीव्रता का भूकंप का तेज झटका महसूस किया गया। 5.3 तीव्रता वाले भूकंप से मकान क्षतिग्रस्त हो गए और कई स्थानों पर सड़कों में दरारें आ गईं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। राज्य भू-विज्ञान और खनिज संसाधन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि भूकंप से किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। उन्होंने नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के हवाले से बताया कि सुबह 4ः10 पर आए भूकंप का केन्द्र भारत-म्यामां सीमा पर चंफाई जिले के जोखावथार में था। राजधानी आइजोल सहित राज्य के कई हिस्सों में भूकंप महसूस किया गया। भूपंक के झटके इतने तेज थे कि ज़ोखावथार में एक गिरजाघर सहित कई मकान और इमारतें आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गईं। इसके अलावा भूकंप से कई स्थानों पर राजमार्गों और सड़कों में दरारें आ गई हैं। अधिकारी ने कहा कि नुकसान का पूरी तरह आकलन किया जाना बाकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिजोरम में सोमवार को भूकंप के बाद राज्य के मुख्यमंत्री जोरामथंगा को केन्द्र से हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। प्रधामंत्री ने ट्वीट किया कि मिजोरम में भूकंप आने के मद्देनजर वहां के मुख्यमंत्री जोरामथंगा से बात की और उन्हें केन्द्र से हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

बारिश में घटेगा या बढ़ेगा कोरोना, वायरस का कितना खतरा

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

भारत में कोरोना वायरस का कहर जारी है। देश में 9 के 14,821 मामले सामने आने के बाद घातक कोरोना वायरस से संक्रमित होने वालों की संख्या बढ़कर 4,25,282 हो गई है। वहीं, संक्रमण से 445 और लोगों की मौत के बाद मृतकों का आंकड़ा 13,699 हो गया है। देस में जब से अनलॉक की शुरुआत हुई है, कोरोना के मामले भी बढ़ रहे हैं। पहले माना जा रहा था कि शायद गर्मी में कोरोना कम हो जाए लेकिन गर्मी में इसने सबसे ज्यादा रफ्तार पकड़ी। वहीं अब बारिश का मौसम शुरू होने जा रहा है, ऐसे में कोरोना के संक्रमण का खतरा ज्यादा है। हेल्थ एक्सपर्ट्स का मानना है कि बारिश के मौसम में कोरोना खतरा बन सकता है। बारिश या मॉनसून के मौसम सें उमस ज्यादा हो जाती है जिस कारण हवा में घनत्व की मात्रा भी ज्यादा हो जाती है। ऐसे में वायरस किसी भी सतह पर गर्मी की दिनों की तुलना में ज्यादा लंबे समय तक रह सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यही कारण है कि वायरल या अन्य बीमारियां इस मौसम में अधिक सामने आती हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड के एक शोध के अनुसार इस वायरस से जुड़े कई मामलों में 17 दिनों के बाद भी सतह पर कोरोना वायरस पाया गया है। एक्सपर्ट्स के अनुसार इन हालातों में ये कहना मुश्किल है कि बारिश के पानी के संपर्क में आने से कोरोना कमजोर होगा या नहीं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि सिंगापुर और इंडोनेशिया जैसे देश जहां पूरे साल बारिश होती है, वायरस के संक्रमण के मामले वहां भी मौजूद हैं। अमेरिका की जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी में एपलाइड फिजिक्स लेबोरेटरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक जेर्ड इवांस के मुताबिक बारिश में मौजूद नमी के कारण कोरोना अधिका तेज होगा और संक्रमण भी बढ़ेगा। वैज्ञानिक जेर्ड इवांस ने कहा कि बरसात में लोग अपना ज्यादा ध्यान रखें।

दुनिया में कोरोना के 90 लाख से ज्यादा हुए केस, भारत-ब्राजील में संक्रमण चरम पर

इंटरनेशनल डेस्क(एजेंसी)।

दुनिया भर में कोरोना संक्रमण के 1 लाख 30 हज़ार नए केस सामने आने के बाद कुल मामले बढ़कर अब 90 लाख से भी ज्यादा हो गए हैं जबकि बीते 24 घंटे में दुनिया भर में करीब 3400 लोगों की जान जाने के बाद कुल मौतों का आकड़ा बढ़कर अब 4 लाख 69 हज़ार से भी ज्यादा हो गया है। अमेरिका, ब्राजील, भारत, रूस और पाकिस्तान में कोरोना संक्रमण अब भी चरम पर है। अमेरिका में सबसे अधिक कोरोना टेस्ट हुए हैं। यहां अब तक करीब 2.7 करोड़ लोगों के कोरोना टेस्ट हो चुके हैं। अमेरिका के बाद कुल टेस्ट के मामले में दूसरे नंबर पर रूस है जहां अब तक 1.6 करोड़ टेस्ट हुए हैं। अमेरिका में कुल संक्रमित लोगों की संख्या 23 लाख से अधिक हो चुकी है और 1.2 लाख लोगों की जान जा चुकी है। अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत में पिछले 24 घंटे के दौरान कोरोना वायरस (कोविड-19) के रिकॉर्ड 4515 नये मामले दर्ज किए गए हैं। कैलिफोर्निया के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग ने रविवार को यह जानकारी दी। विभाग ने कहा कि प्रांत में पिछले 24 घंटे के दौरान सर्वाधिक 4515 नये मामले दर्ज किए गए हैं तथा प्रांत में अब तक इससे प्रभावित होने वाले लोगों की संख्या 17324 हो गई है। इससे पहले शुक्रवार को सर्वाधिक 4317 नए मामले दर्ज किए गए थे। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी किये ये आंकड़ों के अनुसार प्रांत में पिछले पांच दिनों में 20200 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। नगर निगम स्वास्थ्य आयोग ने सोमवार को बताया कि चीन की राजधानी बीजिंग में कोरोना के 9 नए मामले दर्ज किए गए हैं। रविवार को कोरोना से संक्रमित पाए गये लोगों में से दो संदिग्ध है, जबकि पांच लोग अलक्षणी यानी ऐसे लोग जो वायरस से संक्रमित तो हैं, लेकिन इसके लक्षण दिखाई नहीं दिए। आयोग के अनुसार बीजिंग में 11 जून से 21 जून तक कोविड-19 के 236 मामले दर्ज किए गए हैं और ये सभी मामले घरेलू संक्रमण के हैं और सभी लोगों को विभिन्न अस्पतालों में उपचार चल रहा है। स्पेन में पिछले 24 घंटे को दौरान कोरोना वायरस (कोविड-19) के 141 नये मामले दर्ज किये गये हैं और इसके कारण एक और मरीज की मौत हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को बताया कि देश में कोविड-19 से अब तक 28323 लोगों की कोविड-19 के कारण मौत हुई है। वहीं 246272 लोग अब तक इससे प्रभावित हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार नये संक्रमित मरीजों में मैड्रिड से 55, एरगोन क्षेत्र में 33 तथा कैटलोनिया में 25 लोग कोविड-19 पॉजिटिव पाये गये हैं। स्पेन में रविवार को यातायात सामान्य हो गया है और लोगों का स्वतंत्र रूप से यातायात करने की इजाजत दे गयी तथा यूरोपीय देशों से लोगों को आने के लिए सीमा को खोल दिया गया। जर्मनी में एक दिन में कोरोना वायरस (कोविड-19) के 537 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की संख्या बढ़ कर 190,359 तक पहुंच गयी। रोबर्ट कोच संस्थान ने सोमवार को बताया कि यह रविवार के 687 नये मामलों से कम है। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना के संक्रमण से तीन और मरीजों की मौत के बाद मरने वालों की संख्या 8,885 तक पहुंच गयी है। कोरोना के संक्रमण से 175,000 लोग स्वस्थ्य हो चुके हैं।

आतंकियों के आगे गिड़गिड़ाया बेबस पिता, मेरी बेटी की शादी है...नहीं माने दहशतगर्द

नेशनल डेस्क। जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष कार्य बल ने रविवार को शहर के जूनीमर इलाके में आतंकवादियों को सरेंडर करने के वास्ते समझाने के लिए हर मुमकिन कोशिश की। यहां तक कि तीन आतंकवादियों के रिश्तेदारों को भी मौके पर लाया गया लेकिन भावनात्मक अपील नाकाम रहने पर पुलिस को अभियान शुरू करना ही पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि अभियान शनिवार देर रात शुरू हुआ और सुरक्षा बलों ने तीनों दहशतगर्दों को मार गिराया। आतंकी जिस मकान में छिपे हुए थे उस घर का मकान मालिक न जाने कितनी बार आतंकियों के सामने गिड़गिड़ाया कि सरेंडर कर दो। घर के मालिक ने कहा कि इसी घर में मेरी बेटी की शादी है, अगर वो लोग बाहर नहीं आए तो सब कुछ बर्बाद हो जाएगा। उसका घर तबाह हो जाएगा लेकिन दहशतगर्दों के दिल नहीं पसीजे। न उन्होंने उस मकान मालिक की बेबसी समझी और न ही अपने माता-पिता की अपील सुनी। मकान मालिक ने कहा कि कुछ रोज में उसकी बेटी की शादी इसी घर में होनी है। उसने इस घर को बनाने में अपनी जमापूंजी लगाई है। दरअसल अगर आतंकी घर से बाहर नहीं आते तो सुरक्षा बल घर को उड़ा देते इसलिए मकान मालिक को अपने घर के तबाह होने की चिंता थी। आतंकवादियों की पहचान श्रीनगर में भरथाना के शकूर फारूक लंगू और सेमथान बिजबेहरा के शाहिद अहमद भट के तौर पर हुई है। वहीं तीसरा आतंकी सौरा का रहने वाला है। वे प्रतिबंधित संगठन हिज़्बुल मुजाहिदीन से जुड़े हैं। माना जाता है कि ये आतंकवादी रमज़ान में सौरा में बीएसएफ के दो जवानों की हत्या में शामिल थे। मकान मालिक बार-बार मकान मालिक बार-बार कहता रहा, मेहरबानी करके बाहर आ जाओ। मेरे पास पैसे नहीं हैं। मैं घर को दोबारा नहीं बना सकता हूं। मैं इस नुकसान को बर्दाश्त नहीं कर पाऊंगा। आतंकियों ने किसी की नहीं सुनी और गोलीबारी शुरू कर दी।

संक्षिप्त समाचार

जगन्नाथ पुरी रथयात्रा केसः उच्चतम न्यायालय में सुनवाई शुरू, सॉलिसीटर जनरल रख रहे केंद्र का पक्ष

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ओडिशा के पुरी में ऐतिहासिक जगन्नाथ यात्रा पर रोक संबंधी आदेश में संशोधन संबंधी अनुरोध पर आज ही विचार करेगा। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मामले का विशेष उल्लेख न्यायमूर्ति अरुण कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष किया और कुछ प्रतिबंधों के साथ रथयात्रा की अनुमति देने का अनुरोध किया। इस मामलें में स्ष्ट में सुनवाई शुरू हो गई है। मेहता ने कहा कि यह रथयात्रा सदियों पुरानी है और इसे रोकना ठीक नहीं होगा। उन्होंने कहा कि इस मामले में कुछ शर्तों और हिदायतों के साथ पूर्व के आदेश में संशोधन किया जाना चाहिए, मसलन रथयात्रा में शामिल होने के लिए मंदिर में काम करने वाले उन लोगों का चयन किया जाना चाहिए जो कोरोना निगेटिव हों। ओडिशा सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने भी केंद्र की दलील का समर्थन किया। इसके बाद न्यायमूर्ति मिश्रा ने कहा कि वह सभी मामलों की सुनवाई के बाद आदेश में संशोधन के मसले पर विचार करेंगे। इस बीच मामले में कुछ हस्तक्षेप याचिकाएं न्यायमूर्ति एस रवीन्द्र भट के समक्ष चैम्बर में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है।

कोरोना से बचने के लिए ऑटोवाले ने लगाया देसी जुगाड़

नई दिल्ली। देश में वैश्विक महामारी कोरोना वायरस का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है और 14,821 नए मामले सामने आने के साथ संक्रमितों का आंकड़ा सवा चार लाख से अधिक हो गया। पिछले 24 घंटों के दौरान इस बीमारी से 445 लोगों की मौत के साथ कुल मृतकों की संख्या बढ़कर अब 13,699 हो गई है। वहीं सोशल मीडिया पर इनदिनों एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें कोरोना से बचने के लिए ऑटोवाले ने लगाया ऐसा देसी जुगाड़ लगाया जिसे सोशल मीडिया पर काफी पंसद किया जा रहा है। वीडियो में आप देख सकते हैं कि कोरोना से बचने के लिए शख्स ने ऑटो के अंदर वॉश बेसिन लगा लिया और उसको पानी की बॉटल से फिट कर दिया। वीडियो में देखा जा सकता है कि ऑटोवाला ऑटो दौड़ा रहा है और पीछे वॉश बेसिन लगा हुआ है। वहां हैंड वॉश भी मौजूद है। साथ ही ऑटोवाले ने ऑटो को चमचमाते हुए रखा है। वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, कोरोनावायरस का बिलकुल रिस्क नहीं लेने का। इस वीडियो को ऑटोवाला नाम के ट्विटर पेज ने शेयर किया है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से शेयर किया जा रहा है।

कश्मीर घाटी में फिलहाल नहीं खोले जाएंगे शराब के ठेके, सरकार का ऐसा कोई इरादा नहीं

श्रीनगर । कश्मीर घाटी में शराब के ठेके खोलने के सरकार के कथित कदम पर धार्मिक और राजनीतिक संगठनों के विरोध के बाद जम्मू-कश्मीर सरकार ने रविवार को साफ किया कि उसने इस तरह के किसी भी कदम पर विचार नहीं किया है। अलग अलग सामाजिक और धार्मिक संगठनों से मिलकर बनेमुताहिदा मजलिस-ए-उलेमा (एमएमयू) ने कहा कि घाटी में शराब की दुकान खोलने के प्रशासन के कदम का कड़ा विरोध किया जाएगा। एमएमयू के अध्यक्ष हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक हैं। एमएमयू ने एक बयान में कहा, सोशल मीडिया पर प्रसारित किए जा रहे सरकार के आदेश में साफ कहा गया है कि सरकार कश्मीर घाटी के 68स्थानों पर शराब की दुकानें खोलने की योजना बना रही है। इससे घाटी के मुसलमान चिंतित और गुस्से में हैं। संगठन ने सरकार से तत्काल अपना अनैतिक और इस्लाम विरोधी आदेश वापस लेने को कहा। कश्मीर में मुस्लिम बहुसंख्यक हैं। केंद्र शासित प्रदेश के वित्त विभाग ने कहा कि उसने ऐसे इलाकों में शराब के नए लाइसेंस जारी करने को लेकर कोई नीतिगत फैसला नहीं किया है जहां पर शराब की दुकानें नहीं हैं। विभाग ने कहा कि पक्षकारों की भागीदारी और प्रक्रिया के बिना कोई भी फैसला नहीं लिया जाएगा। यह खबर आई थी कि जम्मू कश्मीर प्रशासन केंद्र शासित प्रदेश में नई दुकानें खोलने की योजना बना रहा है। अल्ताफ बुखारी की अपनी पार्टी ने भी इस मुद्दे पर सरकार की आलोचना की।

बीजेपी विधायक का ड्राइवर भी निकला कोरोना पॉजिटिव, राज्य में कुल संख्या 11 हजार से पार

भोपाल। मध्य प्रदेश में कोरोना वायरस के मामलों में लगातार बढ़ौतरी हो रही है। जहां आर्थिक राजधानी इंदौर में हल्का सुधार देखने को मिल रहा है, वहीं भोपाल में संक्रमण ने रफ्तार पकड़ ली है। भोपाल में कोरोना के 40 नए मामले सामने आए हैं। इनमें हाल ही में कोरोना पॉजिटव निकले भाजपा विधायक के ड्राइवर भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि राज्यसभा वोटिंग के दौरान विधायक कईयों के संपर्क में आए थे इससे उनके कॉन्टेक्ट के कई और लोग पॉजिटिव आ सकते हैं। गौरतलब है कि दो दिन पहले कोरोना संक्रमित पाए गए भाजपा विधायक का ड्राइवर भी पॉजिटिव पाया गया है। राजभवन से भी तीन नए कोरोना पॉजिटिव मरीज मिले हैं। बागमुगालिया में छह मरीज मिले हैं जिनमें एक ही परिवार के तीन लोग शामिल हैं। कोहेफिजा, काजी कैम्प, बैरागढ़ और शाहजहानाबाद से कोरोना मरीज मिले हैं। बागमुगालिया में छह मरीज मिले हैं जिनमें एक ही परिवार के तीन लोग शामिल हैं। कोहेफिजा, काजी कैम्प, बैरागढ़ और शाहजहानाबाद से कोरोना मरीज मिले हैं। आपको बता दें कि राज्य में कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या बढ़कर 11,903 हो गई है जिसमें 2,373 एक्टिव मामले हैं। 9,015 लोग ठीक हो चुके हैं और 515 लोगों की मौत हो चुकी है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सीमा पर तनाव कम करने की कोशिश, भारत-चीन के बीच सैन्य स्तर की बातचीत जारी

नेशनल डेस्क (एजेंसी)।

भारत और चीन पूर्वी लद्दाख में दोनों पक्षों के बीच तनाव को कम करने के रास्तों पर चर्चा करने के लिए सोमवार को लेफ्टिनेंट जनरल स्तर की दूसरे दौर की बातचीत कर रहे हैं। सरकारी सूत्रों ने बताया कि वार्ता पूर्वी लद्दाख में चीन की तरफ चुशुल सेक्टर के मोल्दो में सुबह साढ़े 11 बजे प्रस्तावित थी। गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ हिंसक झड़प में 20 भारतीय सैनिकों के शहीद होने के एक हफ्ते बाद यह उच्च स्तरीय वार्ता हो रही है। वार्ता में भारतीय शिष्टमंडल की अगुवाई 14 कोर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल हरिन्दर सिंह कर रहे हैं। लेफ्टिनेंट जनरल स्तर की पहले दौर की बातचीत छह जून को हुई थी जिसमें दोनों पक्षों ने सभी संवेदनशील इलाकों से सैनिकों को हटाने का फैसला किया था। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में भारत की ओर से एलएसी पर पहले की स्थिति को बनाए रखने की मांग की जाएगी। साथ ही गलवान जैसी घटना भविष्य में न हो, इसके लिए भी दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों की ओर से बातचीत की जाएगी। 6 जून के एग्रीमेंट पर भी बात होगी, जिसमें तय हुआ था कि चीन अपनी सेना को एलएसी से पीछे ले जाएगी। बता दें कि 6 जून 2020 को वरिष्ठ कमांडरों की बैठक में दोनों पक्ष लाइन ऑफ़ एक्चुअल कंट्रोल का सम्मान करने के लिए सहमत हुए और इस बात पर भी आम राय बनी कि स्थिति बदलने वाला कोई कदम नहीं उठाया जाएगा। हालांकि चीन इस सहमति का सम्मान नहीं कर सका और लाइन ऑफ़ एक्चुअल कंट्रोल के ठीक नज़दीक निर्माण कार्य शुरु किया।

गलवान घाटी में हुई झड़प को लेकर वी के सिंह का बड़ा दावा, चीन ने जवाब देने से किया इंकार

नेशनल डेस्क (एजेंसी)।

चीन ने केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय सेना के पूर्व प्रमुख, जनरल (अवकाशप्राप्त) वी.के सिंह की उस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प में 40 से अधिक चीनी सैनिक भी मारे गए हैं। चीन ने कहा कि उसके पास इस मुद्दे पर जारी करने के लिए कोई सूचना नहीं है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने यहां प्रेस वार्ता के दौरान दोहराया कि चीन और भारत कूटनीतिक एवं सैन्य माध्यमों के जरिए स्थिति को सुलझाने के लिए एक-दूसरे के संपर्क में हैं। सिंह की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मेरे पास इस बारे में देने के लिए कोई सूचना नहीं है। गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच 15 जून को हुई हिंसक झड़प के बाद से, बीजिंग अपनी सेना को हुए नुकसान का ब्योरा देने से लगातार इनकार करता रहा है जबकि आधिकारिक मीडिया ने अपने संपादकीय लेखों में कहा है कि झड़प में चीन के सैनिक भी हताहत हुए हैं। मौजूदा भारत-चीन सीमा गतिरोध पर टिप्पणी करते हुए सिंह ने शनिवार को एक समाचार चैनल से कहा कि अगर हमने 20 सैनिक गंवाए हैं तो उनकी (चीन की) तरफ भी दोगुने से ज्यादा लोग मारे गए हैं। उनकी (चीन की) तरफ भी दोगुने से ज्यादा लोग मारे गए हैं'। इस बीच, नयी दिल्ली में आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पूर्वी लद्दाख में दोनों पक्षों के बीच तनाव को कम करने के तरीकों पर चर्चा के लिए सोमवार को भारत और चीन के बीच लेफ्टिनेंट जनरल स्तर की वार्ता का एक और दौर चल रहा है। उच्चस्तरीय वार्ता गलवान घाटी में दोनों देश के सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प में 20 भारतीय सैनिकों के शहीद होने के एक हफ्ते बाद हो रही है। लेफ्टिनेंट जनरल स्तर की वार्ता का पहला दौर छह जून को हुआ था जिसमें दोनों पक्षों ने सभी संवेदनशील इलाकों से पीछे हटने का फैसला किया था।

सीमा विवाद के बीच वायरल हुआ भारत-चीन सैनिकों के बीच झड़प का वीडियो

नेशनल डेस्क (एजेंसी)।

भारत और चीन की सेना के बीच गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प को लेकर आज पूरे देश में गुस्सा है। चीन सैनिकों द्वारा किए गए धोखे के चलते भारत ने अपने 20 सैनिकों को खो दिया। अब इसी खूनी संघर्ष का एक वीडियो भी सामने आया है । दरअसल सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे लेकर दावा किया जा रहा है कि यह 15 जून को हुई घटना का है। वायरल हो रहे वीडियो में भारत और चीन के सैनिक एक दूसरे से उलझते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसमें सभी सैनिक मास्क पहने हुए नजर आ रहे हैं, ऐसे में माना जा रहा है कि यह गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प का ही वीडियो है। बता दें कि 5-16 जून को गलवान घाटी में भारत-चीन लाइन ऑफ़ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर दोनों सेनाओं के बीच हुई झड़प में चीनी सेना ने लोहे की रॉड का इस्तेमाल किया था। इस झड़प में भारतीय सेना के एक कर्नल समेत 20 सैनिकों की मौत हुई थी। भारत का दावा है कि चीनी सैनिकों का भी नुक़सान हुआ है लेकिन चीन इससे इंकार कर रहा है। इस हिंसक झड़प के बाद से ही दोनों देशों में तनाव बढ़ गया। हालांकि घटना के बाद दोनों देशों के बीच बातचीत भी हुई थी। वहीं गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि न तो कोई हमारी सीमा में घुसा हुआ है और न ही हमारी कोई पोस्ट किसी दूसरे के कब्जे में है।

जार्ज फ्लायड मौतः प्रदर्शनकारियों ने पहले अमेरीकी राष्ट्रपति की प्रतिमा पर पोता रंग

न्यूयार्क (एजेंसी)।

अश्वेत अमेरिकी नागरिक जार्ज फ्लॉड की मौत को लेकर लोगों का गुस्सा थमने का नाम नहीं ले रहा है। न्यूयार्क में अब अमेरिका के पहले राष्ट्रपति जॉर्ज वाशिंगटन की यहां स्थित प्रतिमा पर लाल रंग पोत कर उसे नुकसान पहुंचाने का मामला सामने आया है। वहीं, न्यूयॉर्क के विश्व प्रसिद्ध 'द अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री' के प्रवेश में लगी थियोडोर रूजवेल्ट की प्रतिमा को हटाने का निर्णय किया गया है। 'बल्टिमोर सन' की खबर के अनुसार उत्तरपश्चिम बाल्टिमोर के ड्रूइड हिल पार्क में लगी राष्ट्रपति की प्रतिमा पर ''नस्लवादियों को खत्म करो''लिखा गया है और प्रतिमा के नीचे की तरफ 'ब्लैक लाइफ्स मैटर'' आंदोलन के लिए लोगों के हस्ताक्षर हैं। पुलिस ने रविवार सुबह कहा कि उन्हें प्रतिमा को नुकसान पहुंचाए जाने के संबंध में कोई शिकायत नहीं प्राप्त हुई है। गौरतलब है कि लोग संघीय राज्य में लगी प्रतिमाओं और स्मारकों को निशाना बना रहे हैं इससे अलावा प्रदर्शनकारी वाशिंगटन सहित देश के संस्थापकों को दासता तथा अन्य कुरीतियों को बढ़ावा देने के आरोप में निशाना बनाते रहते हैं। वहीं, न्यूयॉर्क के विश्व प्रसिद्ध 'द

अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री' के प्रवेश में लगी थियोडोर रूजवेल्ट की प्रतिमा को हटाने का निर्णय किया गया है। रूजवेल्ट देश के 26वें राष्ट्रपति थे।मेयर बिल डि ब्लासियो ने कहा,''द अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री ने थियोडोर रूजवेल्ट की प्रतिमा को हटाने को कहा है क्योंकि यह काले और घरेलू लोगों को नस्लीय तौर पर हीन दिखाता है।'

संक्षिप्त समाचार

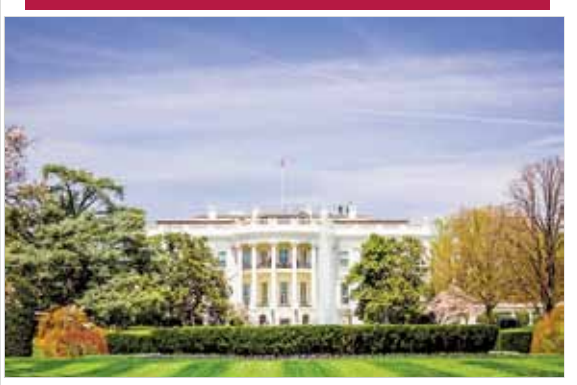

व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार ने कोरोना का संबंध चीनी सरकार से बताया

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने कोरोना वायरस को चीन की कम्युनिस्ट पार्टी का उत्पाद बताया और बिना किसी सबूत के कहा कि हो सकता है कि यह जानबूझ कर चीनी सरकार द्वारा बनाया गया हो। नवारो ने सीएनएन चैनल के स्टेट ऑफ द यूनियन कार्यक्रम में कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि वायरस कैसे शुरू हुआ और जब तक हमें, उन प्रयोगशालाओं में क्या हुआ या उस बाजार में क्या हुआ, इसके बारे में कुछ जानकारी नहीं मिलती, हम जानते हैं कि वायरस चीन में पैदा हुआ था। नवारो ने कहा कि यह एक खुला सवाल है कि क्या वायरस किसी उद्देश्य से बनाया गया था। उन्होंने कहा कि उनके विचार में चीन सरकार निर्दोष साबित होने तक दोषी है।

पाकिसतान में कोविड-19 के 4,471 नए मामले, 89 और लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 4,471 नए मामले सामने आने के बाद देश में कोरोना वायरस संक्रमण के मरीजों की संख्या बढ़कर सोमवार को 1,81,088 हो गई । वहीं 89 और लोगों की जान जाने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 3,590 हो गई। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के अनुसार, कोविड-19 के सबसे अधिक 69,628 मामले सिंध और फिर उसके बाद पंजाब में 66,943, ख़ैबर पख़्तूनख़्वा में 21,997, इस्लामाबाद में 10,912, बलूचिस्तान में 9,475, गिलगित बाल्तिस्तान में 1,288 और पीओके में 845 मामले हैं। उसने बताया कि पिछले 24 घंटे में 89 और संक्रमित लोगों की जान भी चली गई, जिसके बाद कोरोना वायरस महामारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 3,590 हो गई। उसने बताया कि देश में अभी तक कोरोना वायरस के 71,458 मरीज ठीक हो चुके हैं। अभी तक देश में 11,02,162 लोगों की कोविड-19 जांच की गई है, जिनमें से 30,520 लोगों की जांच पिछले 24 घंटे में की गई।

नीदरलैंड में लॉकडाऊन का विरोध कर रहे 400 प्रदर्शनकारी गिरफ्तार

एम्सटर्डम। नीदरलैंड के हेग शहर में कोरोना वायरस (कोविड-19) के मद्देनजर लागू लॉकडाउन के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लगभग चार सौ लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है।पुलिस ने रविवार को ट्वीट कर कहा, हेग शहर के द मालिवल्ड मैदान को खाली करा लिया गया है। लगभग चार सौ लोगों को आज गिरफ्तार किया गया था, जिनमें से अधिकतर लोगों को रिहा कर दिया गया है। इससे पहले अधिकारियों ने रविवार को कोरोना वायरस से संबंधित प्रतिबंधों के खिलाफ प्रदर्शन करने पर रो लगा दी थी, लेकिन मेयर जोहान रेम्स ने छोटे प्रदर्शन की बाद में इजाजत दे दी थी। पुलिस ने बताया कि शुरू में द मालिवल्ड मैदान में प्रदर्शन शांतिपूर्वक तरीके से शुरू हुआ, लेकिन बाद में फुटबॉल सर्थकों ने पुलिस के साथ झड़प शुरू कर दी। उन लोगों ने पुलिस पर पत्थर और आंसू गैस के गोले फंके। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए आंसू गैस के गोले दागे।नीदरलैंड के सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संस्थान के अनुसार देश में अब तक 49500 से अधिक लोग इस महामारी से प्रभावित हुए हैं तथा 600 से अधिक लोगों की इसके कारण मौत हुई है।

सनकी किंग किम ने दक्षिण कोरिया के खिलाफ उठाया नया कदम

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया के सनकी किंग किम जोंग उन ने दक्षिण कोरिया के साथ सभी राजनीतिक व कूटनीतिक रिश्तों को समाप्त करने के बाद अब नया कदम उठाया है। उत्तर कोरिया ने द. कोरिया के खिलाफ नया सूचना अभियान चलाने के तहत एक करोड़ 20 लाख सूचना पत्र (लीफलेट) छपवाए हैं। उत्तर कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंयी (केसीएनए) ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट में बताया कि इन सूचना पत्रों के प्रसार के लिए 3000 विभिन्न प्रकार के हवाई गुब्बारों समेत विशेष उपकरण तैयार किए जाएंगे और देश की एक प्रिंटिग हाउस इसके अलावा कई लाख सूचना पत्रों की छपाई की तेजी से तैयारी कर रहा है। उत्तर कोरिया और दक्षिण कोरिया के बीच पिछले कुछ दिनों में तनाव बढ़ गया है। दरअसल, द. कोरिया के कुछ प्रदर्शनकारी उ. कोरिया की नीतियों की आलोचना करते हुए प्रोपेगेंडा चला रहे हैं। साथ ही किम जोंग उन के विरोधी पर्चे बैलून के जरिए उ. कोरिया सीमा में भेजे जा रहे हैं। उत्तर कोरिया की ओर से इसकी तीखी आलोचना की गई है। उत्तर कोरिया ने 16 जून को द. कोरिया से सभी तरह का संपर्क बंद करने की घोषणा की थी। साथ ही कहा था, ''हम द. कोरिया से जुड़ी हॉटलाइन समेत सभी कम्युनिकेशन लाइनें बंद कर रहे हैं। इसके साथ ही 16 जून को केयसोंग शहर स्थित ऑफिस को बम से उड़ा दिया था। यह ऑफिस दोनों देशों के बीच अच्छे संबंध कायम करने के लिए ।

रिसर्चः कोरोना वायरस पर हो रहा मौसम का असर

वॉशिंगटन। अमेरिका के अनुसंधानकर्ताओं ने कोरोना वायरस पर मौसम के असर को लेकर की रिसर्च में नया खुसाला किया है। अमेरिका की मार्शल यूनिवर्सिटी के अनुसंधानकर्ताओं का कहना है कि कोरोना वायरस की स्थिरता पर पर्यावरणीय कारकों के प्रभाव का पता लगा लिया गया है। उन्होंने कहा है कि कोविड-19 महामारी के दौर के बाद यह वायरस अपने अनुकूल मौसम होने पर फिर से पैर पसार सकता है। अध्ययन में कहा गया है कि मनुष्य की लार, बलगम तथा नाक के म्यूकस में इस वायरस की स्थिरता पर पर्यावरणीय स्थितियों का प्रभाव पड़ता है। मार्शल यूनिवर्सिटी से जेरेमियाह मैस्टन सहित अनुसंधानकर्ताओं ने उल्लेख किया कि नया कोरोना वायरस, सार्स-कोव-2 उच्च आर्द्रता और गर्म तापमान में कम स्थिर रहता है। यह अध्ययन रिपोर्ट पत्रिका 'इमर्जिंग इन्फेक्शस डिसीज सार्स-कोव-2' में प्रकाशित हुई है। 'इमर्जिंग इन्फेक्शस डिसीज सार्स-कोव-2' में प्रकाशित हुई है। 'इमर्जिंग इन्फेक्शस डिसीज सार्स-कोव-2' में प्रकाशित हुई है। अनुसंधानकर्ताओं ने इस बारे में पता लगाने के लिए मनुष्य की लार, बलगम और नाक के म्यूकस के नमूनों का अध्ययन किया जिन्हें सात दिन तक तीन विभिन्न तापमान और विभिन्न आर्द्रता में रखा गया।

कोरोना वायरसः लंदन में कॉमर्शियल फ़्लाइट शुरू, सोशल डिस्टेंसिंग पर नया प्रस्ताव पेश

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन में कोरोना वायरस के कारण लगे लॉकडाऊन के चलते बंद उड़ाने लंदन में रविवार से पुनः बहाल हो गईं। लंदन में 3 महीने बाद कॉमर्शियल उड़ाने शुरू कर दी गई हैं। ब्रिटेन ने लंदन में पिछले तीन महीनों से उड़ान सेवा पर पाबंदी लगी हुई थी। 25 मार्च के बाद से लंदन में कॉमर्शियल और प्राइवेट फ़्लाइट सेवा बंद थी, हालांकि सरकारी एजेंसियां और सेना एयरोपर्ट का इस्तेमाल कर रही थी। शुरुआती तौर पर अभी उड़ान सेवा ब्रिटेन और आयरलैंड तक ही सीमित होगी। ब्रिटेन सहित यूरोपीय देशों से पर्यटक भी अब स्पेन में प्रवेश कर सकेंगे क्योंकि स्पेन में उनके लिए अब 14 दिन का पृथक-वास खत्म कर दिया गया है। हालांकि, ब्रिटेन को छोड़कर गैर-शेंजेन देशों के लोगों के लिए पृथक-वास के नियम अब भी लागू हैं। यूरोपीय समूह में शामिल वो देश जो शेंजेन का हिस्सा नहीं हैं, उन्हें गैर-शेंजेन देश कहा जाता है। शेंजेन में 26 देश शामिल हैं जिन्होंने अपने नागरिकों की आपस में आवाजाही के लिए अपनी सीमाएं खत्म कर रखी हैं। स्पेन में लोगों को हालांकि अब भी ऐसे सार्वजनिक स्थलों पर मास्क लगाकर रखना होगा जहां एक-दूसरे से पांच फुट की दूरी रखना संभव नहीं है। कोरोना महामारी के बीच ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री मैट हैनकॉक ने कहा है कि इंग्लैंड में सोशल डिस्टेन्सिंग के नियमों को दो मीटर से कम कर करने से जुड़ा एक प्रस्ताव सरकार इस सप्ताह ला सकती है। एक कार्यक्रम में उन्होंने एंड्यू मार्र शो में उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी पर लगाम लगाने के लिए दो लोगों के बीच प्लास्टिक स्क्रीन लगाने जैसे कदम लागू किए जा सकते हैं। इससे पहले ब्रिटेन के शीर्ष वैज्ञानिकों में से एक लंदन स्कूल ऑफ़ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन के प्रो. पीटर पाएट ने देश में क्वारंटीन के लिए अपनाए जा रहे।

चीन के बीआरआई को लेकर भारत की असहमति से एससीओ को कोई खतरा नहीं: महासचिव नोरोव

बीजिंग (एजेंसी)।

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के महासचिव व्लादिमीर नोरोव ने कहा है कि एससीओ में चीन की महत्वाकांक्षी 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' (बीआरआई) का समर्थन नहीं करने संबंधी भारत के फैसले से इस संगठन को कोई खतरा नहीं है क्योंकि इसका ढांचा लोकतांत्रिक है जो सदस्य देशों को अन्य द्वारा समर्थित परियोजनाओं से बाहर निकलने की अनुमति देता है। बीजिंग स्थित एससीओ के सदस्य देशों की संख्या आठ हैं। भारत और पाकिस्तान इसमें 2017 में शामिल हुए थे। इसके अन्य सदस्यों में चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, तजाकिस्तान और उज़्बेकिस्तान हैं। नोरोव न 'पीटीआई-भाषा' से साक्षात्कार में समूह में भारत की भूमिका से संबंधित मुद्दों पर बात की जिनमें आतंकवाद से निपटने के लिए संयुक्त सहयोग सहित आर्थिक और सुरक्षा से संबंधित मुद्दे शामिल थे। भारत ने चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की इस महत्वाकांक्षी बीआरआई परियोजना को लेकर अपनी कड़ी आपत्ति जताई है। नोरोव से जब पूछा गया कि बीआरआई पर वह भारत के रूख और अन्य सदस्यों के बीच खुद को किस भूमिका में देखते हैं, तो उन्होंने कहा कि एससीओ में निर्णय लेते समय, सदस्य देश सर्वसम्मति के सिद्धांत का ध्यान रखते हैं। यही सिद्धांत राजनीतिक दस्तावेजों के अनुमोदन पर भी लागू होता है। उन्होंने कहा, उसी समय, ऐसे उदाहरण हैं, जब ऐसे मामलों में जब कोई देश कुछ निश्चित सहयोग परियोजनाओं के कार्यान्वयन में रुचि नहीं रखता है जो अन्य सदस्य देशों के लिए महत्वपूर्ण होते हैं।'' उन्होंने कहा, ''उक्त सदस्य देशों की गैर-भागीदारी उक्त सदस्य देशों को इस तरह की सहयोग परियोजनाओं को लागू करने से नहीं रोकती है, और साथ ही, उक्त सदस्य देशों को ऐसी परियोजनाओं के कार्यान्वयन में आगे आने से नहीं रोकती है।'' नोरोव ने कहा, ''भारत आर्थिक गतिविधि के पूर्ण विस्तार के लिए एक वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जो एससीओ सदस्य देशों के लिए प्राथमिकता है।'' आतंकवाद-रोधी मुद्दों पर उन्होंने कहा, ''मैं बताना चाहता हूं कि भारत क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के लिए खतरा बने आतंकवाद और उग्रवाद का मुकाबला करने के लिए एससीओ के दृष्टिकोण को पूरी तरह से साझा करता है।'' उन्होंने कहा, ''एससीओ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस स्थिति से पूरी तरह सहमत है कि एससीओ क्षेत्र में स्थिरता और सुरक्षा के लिए एक एकजुट, शांतिपूर्ण, सुरक्षित और समृद्ध अफगानिस्तान एक महत्वपूर्ण कारक है।''

नेपाल में भारतीय महिलाओं को नागरिकता संबंधी कानून का विरोध, सत्ताधारी सांसदों ने भी खोला मोर्चा

इंटरनेशनल डेस्क। नेपाल की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा रविवार को भारतीय महिलाओं को शादी के 7 साल बाद नागरिकता देने के कानूनी फैसले को संसदीय समिति में बहुमत से पारित करने के बाद नेपाल में ही बवाल मच गया है। नेपाल की विपक्षी पार्टियों के तमाम दलील और विरोध को खारिज करते हुए सत्तारूढ़ दल ने नागरिकता संबंधी विवादास्पद कानून बनाने की प्रक्रिया को आगे बढाते ही इस कानून के खिलाफ नेपाल में विरोध-प्रदर्शन शुरू हो गए हैं मधेश क्षेत्र से आने वाले 2 सांसदों ने भी सरकार के इस फैसले का विरोध किया है। इसके बावजूद नेपाल की ओली सरकार अगले दो दिनों में इसे संसद से पारित कराने की तैयारी में है। सरकार द्वारा विवादास्पद नागरिकता कानून बनाए जाने का विरोध करते हुए रविवार को कई स्थानों पर लोगों ने विरोध प्रदर्शन किए। युवाओं ने सड़कों पर नेपाल के प्रधानमंत्री केपी ओली के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और पुतले जलाए। उधर, सत्तारूढ़ दल ने ही विवादास्पद नागरिकता कानून के विरोध में बगावत कर दी हैं। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के दो मधेशी सांसदों और पूर्व मंत्री मातृका यादव और प्रभु साह ने अपनी ही पार्टी और अपने ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।इन दोनों ने एक बयान जारी करते हुए नए नागरिकता कानून के फैसले को तुरंत वापस लेने की मांग की है। रविवार को संसदीय समिति की बैठक में नेपाल के प्रमुख विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस और जनता समाजवादी पार्टी के नेताओं ने इस पर विरोध करते हुए इसे संविधान के खिलाफ बताया।

कोरोना को लेकर फिर फिसली ट्रंप की जुबान, कहा- वायरस दोधारी तलवार, मैंने ही कम टेस्ट करने को बोला

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

कोरना वायरस महामारी से जूझ रहे दुनिया के कई देश इससे बचने के लिए अधिक से अधिक टेस्टिंग करवाने के लिए जोर देर रहे हैं। कारण है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अलावा अन्य वैज्ञानिकों ने भी कोरोना वायरस पर कंट्रोल के लिए टेस्टिंग को सबसे जरूरी बताया है । लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कोरोना टेस्टिंग को लेकर फिर जुबान फिसल गई और उनका चौंकाने वाला बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। ट्रंप ने अपने समर्थकों की एक रैली में कहा है कि कोरोना वायरस टेस्टिंग एक दोधारी तलवार है इसलिए उन्होंने खुद अधिकारियों से कम टेस्टिंग के लिए कहा है। बता दें कि पिछले हफ्ते सीएनएन की रिपोर्ट में बताया गया था कि ट्रंप ने 4 मई से 7 जून 2020 के बीच 192 झूठे दावे किएय् ट्रंप ने कोरोना वायरस पर सबसे अधिक 61 बार झूठे दावे किए। अमेरिका में कुछ ही महीने में राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं। महामारी के बीच ही ट्रंप ने शनिवार को ओकलाहोमा में रैली की जिसमें उन्होंने कहा कि अगर आप काफी अधिक टेस्टिंग करते हैं, आपको अधिक लोग संक्रमित मिलेंगे. इसलिए मैंने अपने लोगों से कहा है कि टेस्टिंग धीमी कर दो। हालांकि, ट्रंप के बयान के बाद वॉल स्ट्रीट जर्नल के पत्रकार माइकल सी बेंडर ने ट्वीट किया। व्हाइट हाउस के अधिकारी ने कहा है कि ट्रंप साफ तौर से मजाक कर रहे थे। राष्ट्रपति भवन के अधिकारी ने कहा कि ट्रंप ने कभी भी टेस्ट कम करने के लिए नहीं कहा। हमें इस पर गर्व है कि हमने तेजी से 2.5 करोड़ टेस्ट कर लिए हैं। बता दें कि अमेरिका में अब तक सबसे अधिक कोरोना टेस्ट हुए हैं. अब तक करीब 2.7 करोड़ लोगों के कोरोना टेस्ट हो चुके हैं। अमेरिका में अब तक सबसे अधिक कोरोना टेस्ट हुए हैं. अब तक करीब 2.7 करोड़ लोगों के कोरोना टेस्ट हो चुके हैं।

अमेरिका में अब तक सबसे अधिक कोरोना टेस्ट हुए हैं. अब तक करीब 2.7 करोड़ लोगों के कोरोना टेस्ट हो चुके हैं। अमेरिका के बाद कुल टेस्ट के मामले में दूसरे नंबर पर रूस है जहां अब तक 1.6 करोड़ टेस्ट हुए हैं। अमेरिका में कुल संक्रमित लोगों की संख्या 23 लाख से अधिक हो चुकी है और 1.2 लाख लोगों की जान जा चुकी है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मांग के साथ कलेक्टर को दिया आवेदनपत्र

रोजगार बंद और बेरोजगार रहने जनता लोकडाउन में आर्थिक तकलीफो का सामना कर रही है :कांग्रेस

अनेक मांग के साथ वेरा बिल,लाइट बिल,स्कूल फीस माफ़ी की मांग के साथ कलेक्टर को दिया आवेदनपत्र

क्रांति समय (www.krantisamay.com)

सूरत। भारत के प्रधानमंत्री ने कोरोना महामारी की वजह से लगाए गए लोकडाउन के कारण रोजगार और बेरोजगार रहने जनता लोकडाउन में आर्थिक तकलीफो का सामना कर रही है ,

कारोबार बंद रहने से लोग इस कद्र आर्थिक तकलीफो का सामना कर रहे थे कि कई परिवारो को दो वक्त का भोजन मिलना भी मुश्किल हो रहा था, और अभी भी जनता आर्थिक तकलीफो का समाना कर रही रही है.

इन परिस्थियों के बीच वेरा बिल,लाईट बिल साथ ही स्कूल की फीस भरना उनके लिए काफी मुश्किल हो रहा है.उपरोक्त बिल और स्कूल फीस माफ़ी की मांग के साथ कांग्रेस ने कलेक्टर को आवेदन पत्र दिया।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक़ सूरत जिला कांग्रेस समिति ने सोमवार को जिला कलेक्टर को आवेदन पत्र दिया. जिसके जरिये उन्होंने बताया कि लोकडाउन की वजह से एक तरफ जनता आर्थिक हालातो का सामना कर रही है.

इन परिस्थियों के बिच वह लाईट बिल ,वेरा बिल कैसे भर पाएंगी,दूसरी तरफ स्कूल संचालक फीस के लिए दबाव बना रहे है.

इसलिए आम जनता के हित में कदम उठाते हुए पिछले तीन महीनो का वेरा बिल,लाइट बिल, पानी का बिल माफ़ करवाया जाये और 6 महीने की शिक्षा फीस (स्कूल सत्र फीस) माफ़ करवाई जाए.

अभी तक कुछ लोग में रोजगार न होने के वजह से कई लोगों में आर्थिक और परिवारिक क्लेश के कारण बना

कोरोना को नियंत्रित करने सूरत मनपा का खास प्लान 'एपीएक्स–आर'

क्रांति समय

अहमदाबाद (एजेंसी) अहमदाबाद के बाद अब सूरत में कोरोना का कहर बढ़ रहा है, इससे निपटने के लिए सूरत महानगर पालिका ने खास प्लान 'एपीएक्स–आर' बनाया है!

डोर टू डोर सर्वेलन्स को तेज करने के लिए सूरत मनपा ने सक्रिय सर्वेलन्स के तहत यह प्लान तैयार किया है!

सूरत के साउथ जोन में पहली बार इस प्लान का अमल किया गया था, अब इसे पूरे शहर में अमल करने की रणनीति अपनाई गई है!

अब तक एपीएक्स–आर सर्वेन्स के तीन राउंड शुरू किए गए हैं!

इसके अंतर्गत डोर टू डोर सर्वेलन्स के दौरान यदि किसी घर के व्यक्ति में बुखार, शर्दी, खांसी या दस्त जैसे लक्षण पाए जाते हैं तो उस घर के बाहर ''ए'', जिस घर में कोमोर्बिड और वृद्ध रहते हों उस घर के बाहर ''पी'' बोर्ड लगाए गए हैं!

जबकि जहां इनमें से कोई नहीं है, उस घर के बाहर ''एक्स'' का बोर्ड लगाकर माइक्रो मोनिटरींग किया जा रहा है!

वहीं कम्युनिटी अभाववाले घरों के बाहर ''आर'' का बोर्ड लगाया जाएगा! एपीएक्स–आर सर्वेलन्स का मुख्य उद्देश्य संभव हो उतनी जल्द एआरआई, आईएलआई और एसआरआई मामलों की पहचान कर जरूरत के मुताबिक मरीजों को समय पर उपचार मुहैया कराना है!

इसके अलावा अधिक जोखम वाले व्यक्तियों (कोमोर्बिड और वृद्ध) को खोजना और ऐहतियात रखने में भी यह रणनीति प्रभावी साबित हुई है!

इतना ही नहीं स्ट्रेस मैनेजमेंट के तहत सर्वेलन्स प्रक्रिया के दौरान लोगों का काउन्सेलिंग करने के लिए एसटीडी काउन्सेलर और टीबीएचवी की नियुक्ति की गई है!

कांग्रेस नेता भरतसिंह सोलंकी की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव

अहमदाबाद गुजरात कांग्रेस के दिग्गज नेता भरत. सिंह सोलंकी को कोरोना ने अपनी गिरफ्त में ले लिया है!

फिलहाल भरतसिंह सोलंकी को उपचार के लिए वडोदरा के अस्पताल में शिफ्ट किया गया है!

इस खबर के बाद भाजपा और कांग्रेस नेताओं में हड़कम्प मच गया है! दरअसल 19 जून को हुए राज्यसभा चुनाव के दौरान भरतसिंह सोलंकी पूरे दिन मतदान केन्द्र में मौजूद थे!

उनके साथ कांग्रेस के दूसरे प्रत्याशी शक्तसिंह गोहिल भी मौजूद थे! उस वक्त भाजपा और कांग्रेस विधायकों समेत पार्टी नेताओं के संपर्क में आए थे!

गृह राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा, भाजपा के प्रदेश प्रमुख जीतु वाघाणी समेत भाजपा के तीनों उम्मीदवार भी मौजूद थे!

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने विशेषज्ञ डॉक्टरों से संपर्क किया है! चुनाव प्रक्रिया में शामिल सभी कर्मचारियों में चिंता पैठ गई है!

भरतसिंह सोलंकी के संपर्क में आए सभी कर्मचारियों को कोरन्टाइन किया जा सकता है!

सरकारी अनाज की दुकानदारों को वन नेशन–वन राशन के तहत राशन के लिए आवेदन

शराब पार्टी पर पुलिस की रेड, 5 युवतियों समेत 12 लोग गिरफ्तार

वडोदरा के आमोद क्षेत्र की श्यामल काउन्टी सोसायटी में शराब पार्टी में पुलिस की रेड से अफरातफरी मच गई!

वाघोडिया पुलिस ने घटनास्थल से 5 युवती और 7 युवकों समेत 12 लोगों को गिरफ्तार कर लिया!

बाद में जमानत पर सभी को रिहा कर दिया!

जानकारी के मुताबिक वडोदरा के सुमनदीप होस्टेल में रहकर पढ़ाई करते युवक–युवतियों ने शराब का पार्टी का आयोजन किया था!

आमोदर के श्यामल काउन्टी सोसायटी में शराब पार्टी चल रही थी! इस बारे में स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दे दी! सूचना मिलते ही हरकत में आई वाघोडिया पुलिस ने शराब पार्टी पर रेड की!

पुलिस को देख शराब के नशे में धुत युवक–युवतियों का नशा हवा हो गया! पुलिस ने घटनास्थल से 5 युवती और 7 युवकों को गिरफ्तार कर लिया! साथ ही विदेश शराब की 6 बोतलें और ग्लास इत्यादि जब्त कर लिया!

हांलाकि बाद में पुलिस ने सभी को जमानत पर भी रिहा कर दिया! दूसरी ओर वडोदरा के पादरा के डभासा गांव में पुलिस ने शराब पार्टी पर रेड कर 13 लोगों को गिरफ्तार कर लिया! पादरा पुलिस ने घटनास्थल से एक कार और 15 टू व्हीलर समेत रु. 10 लाख से अधिक का माल–सामान भी जब्त किया है! पकड़े लोग डभासा गांव के निवासी होने का पता चला है!

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)